वर्ष : 17 ❖ अंक : 49 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
मंगलवार, 20 सितम्बर 2022

कश्मीर में सरकार चला रही हिन्दुत्व का अजेंडा : मफ्ती 8

सीबीआई की बेल कैंसिल याचिका पर बोले तेजस्वी, 2024 से डर रही है बीजेपी 3

विश्व गुरु बनने जा रहा है भारत : राज्यपाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 19 सितम्बर । रविवार को मध्य प्रदेश के भोपाल में अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा द्वारा मानस भवन में चौरसिया समाज के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस दौरान राज्यपाल ने समाज के प्रदेशभर से आए हुए नवनिर्वाचित लगभग 150 जनप्रतिनिधियों (जिला पंचायत के सदस्य, जनपद पंचायत के सदस्य, जनपद पंचायत के अध्यक्ष, नगर पालिका / नगर परिषद के अध्यक्ष एवं पार्षदों सहित सरपंचों) को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

चुने गए जनप्रतिनिधियों को उनकी नई भूमिका और लोगों की सेवा में अपने कर्तव्य का पालन करने के लिए शुभकामनाएं देते हुए माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा कि चौरसिया समाज को एकता की आवश्यकता है। खामियां हर व्यक्ति में हो सकती है, लेकिन उसे दूर करते हुए समाज के लोगों को आगे बढ़ाने में मदद करनी होगी। सभी को मिलकर काम करना होगा और अपनी आवाज़ बुलंद रखते हुए समाज हित के लिए काम करना है, जिससे समाज के अंदर एक अलग पहचान कायम हो।

राज्यपाल ने इस दिशा में अपनी बात रखते हुए कहा कि चौरसिया समाज में बहुत सारी समस्याएं हैं, इन समस्याओं के समाधान हेतु मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से बातचीत होने की बात कही। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि चौरसिया समाज का मुख्य व्यवसाय पान की खेती है, पान की खेती एक कठिन खेती होती है। इसे कृषि का दर्जा दिलाये जाने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर भारत बन रहा है और विश्व गुरु बनने जा रहा हैं।

मृत्यु के बाद भी अगर सब के दिलों में जो बने रहे वही कर्म की बात है और यही इंसानियत हमे अमर बना देती है। उन्होंने अंगदान करने की भी समाज के लोगों से अपील की जिससे कि लोगों का जीवन बचाया जा सके। कार्यक्रम में प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग के अलावा अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया मप्र महासभा के अध्यक्ष गौरव (विक्की) चौरसिया एवं समाज के राष्ट्रीय पदाधिकारी और प्रदेश पदाधिकारी मंचासीन रहे।

मत्स्य किसानों की बेहतरी पर ध्यान करें केंद्रित : मंत्री शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 19 सितम्बर । सिक्किम के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा मंत्री लोकनाथ शर्मा ने आज सुबह मत्स्य निदेशालय के विभागीय अधिकारियों के पांच दिवसीय एक प्रशिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित किया। साथ ही इस अवसर पर मंत्री शर्मा ने मत्स्य क्षेत्र में कार्य प्रणाली के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया बढ़ाने हेतु सभी जिलों को कम्प्यूटर उपकरण भी सौंपे।

यहां अपने संक्षिप्त सम्बोधन में मंत्री शर्मा ने सभी नवनियुक्त अधिकारियों और क्षेत्रीय पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए सभी प्रशिक्षुओं को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान भली-भांति जानकारी प्राप्त कर उनका उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने मत्स्य किसानों की बेहतरी हेतु मत्स्य क्षेत्र में नयी सफलता प्राप्त करने के लिए पूर्ण मानसिकता तैयार करने का सुझाव भी दिया।

वहीं मत्स्य निदेशक एन. जसवंत ने अपने स्वागत भाषण में प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने मत्स्य क्षेत्र में कार्य तंत्र को ई-गवर्नेंस में बदलने की चल रही प्रक्रियाओं पर भी प्रकाश डाला और नवनियुक्त लोगों को पूरी दक्षता के साथ ऑनलाइन काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। विभाग के संयुक्त निदेशक लोब्सांग तमांग के धन्यवाद ज्ञापन के साथ इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह का समापन हुआ।

महिला सुरक्षा पर तीन दिवसीय कानूनी जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 19 सितम्बर । नामची जिलान्तर्गत जोरथांग महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत वन स्टॉप सेंटर ने महिला हेल्पलाइन-181 के साथ महिला सुरक्षा पर 16 से 18 सितम्बर तक तीन दिवसीय कानूनी जागरुता कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें जिले के ओमचू, वोक में घर-घर जाकर प्रचार किया गया।

वन स्टॉप की विज्ञप्ति से प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम के पहले दिन 16 सितंबर को अपर ओमचू के रोबोंग आंगनबाड़ी केंद्र में एकत्रित हुईं महिलाओं को महिला अधिकारों और सुरक्षा सम्बंधी कानूनों से अवगत कराया गया। साथ ही उन्हें यूनिवर्सल वूमन हेल्पलाइन 181 के माध्यम से वन स्टॉप सेंटर द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं का लाभ उठा सकने के बारे में भी अवगत कराया गया।

वहीं दूसरे दिन ओमचू स्वास्थ्य केंद्र में एक कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां ओमचू माध्यमिक विद्यालय के छात्र एवं कर्मचारी, एचडब्ल्यूसी कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता, ओमचू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आदि उपस्थित थे। इस दौरान वहां भी पोक्सो, बाल तस्करी कानूनों और वन स्टॉप सेंटर एवं महिला हेल्पलाइन नंबर की विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी गयी। अंतिम दिन चलाये गये घर-घर अभियान में ओमचू गांव के आसपास के घरों में जाकर महिला हिंसा से बचाने वाले कानूनों के बारे में जानकारी वाले पर्चे बांटे गए।

विभिन्न कंपनियों के साथ मंत्री शर्मा ने की बैठक

कंपनियों में शिकायत निवारण समिति के सक्रिय क्रियान्वयन पर दिया जोर

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 19 सितम्बर । सिक्किम के श्रम मंत्री लोक नाथ शर्मा ने आज सोकेथांग में फार्मास्युटिकल कम्पनियों, डिस्टिलरियों, ऊर्जा परियोजनाओं एवं सहायक इकाइयों के संयंत्र प्रमुखों तथा एचआर के साथ एक परिचयात्मक सह परिचर्चा बैठक का आयोजन किया। बैठक में श्रम सलाहकार मनोज प्रधान, श्रम अध्यक्ष श्रीमती गंगा परसाईं, सचिव सुश्री नम्रता थापा, विशेष श्रम आयुक्त डीएस कुंवर के अलावा सम्बंधित विभागों एवं विभिन्न कम्पनियों के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

इस दौरान विभिन्न श्रेणियों के श्रमिकों के नए संशोधित न्यूनतम वेतनमान, प्रतिष्ठानों के पंजीकरण, भवन एवं अन्य निर्माण कार्यों के श्रमिकों तथा शिकायत निवारण समिति की स्थिति आदि पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर मंत्री शर्मा ने हाल ही में जारी की गयी न्यूनतम दैनिक मजदूरी की अधिसूचना का अनुपालन करने हेतु सभी कम्पनियों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। वहीं उन्होंने हरेक कम्पनी में शिकायत निवारण समिति के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सभी कम्पनियों से तय समय में बकाया राशि जारी करने के आग्रह के साथ ही किसी भी सलाह के लिए विभाग को पूर्व सूचित करने का सुझाव भी दिया।

वहीं बैठक के दौरान कम्पनियों ने भी न्यूनतम वेतन में संशोधन पर जारी की गयी अधिसूचना का स्वागत किया और निर्देशों का सही से पालन करने का आश्वासन दिया। चर्चा के दौरान विभिन्न कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा रखे गए मुद्दों और प्रश्नों पर श्रम सचिव नम्रता थापा ने जवाब दिया। इसके साथ ही कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने अधिसूचित मजदूरी के सुचारू वितरण हेतु अपने अनुभव और योजनाएं साझा किये।

सभी पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाएं योजनाओं का लाभ : सांगे लेप्चा

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 19 सितम्बर । क्षेत्र विधायक योक्सम टाशीडिंग निर्वाचन क्षेत्र सह विधानसभा उपाध्यक्ष सांगे लेप्चा ने आज जिले के मेल्ली आचिंग जीपीयू में एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। उनके साथ परिवहन विभाग के अध्यक्ष बसंत तमांग के साथ जिलाधिकारी यिस्से डी योंगदा, एडीसी विकास, सीईओ शिक्षा, एसडीएम योक्शम, संयुक्त निदेशक शिक्षा, डीई तथा एई के साथ ही पंचायत सदस्य आदि भी थे।

अपने दौरे के क्रम में वे सबसे पहले मेल्ली मोनेस्ट्री पहुंचे, जहां समिति के सदस्यों ने पंचायतों के साथ खराब सड़क की स्थिति, पीएचएससी में नर्सिंग स्टाफ की कमी, भूमि मुआवजे का भुगतान न करने, एक बस्ती में बिजली केबल की आवश्यकता, आईसीडीएस की स्थिति, मोनेस्ट्री में एमडीएम योजना, अतिरिक्त शिक्षकों की आवश्यकता से संबंधित अपनी शिकायतें रखीं।

अपने संबोधन में सांगे लेप्चा ने सभा को आश्वासन दिया कि सभी मांगों पर विचार किया जाएगा और सभी लाइन विभागों से प्राथमिकता के आधार पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने राज्य भर में वंचित माताओं के उत्थान के लिए शुरू की गई योजनाओं के लिए माननीय मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) को धन्यवाद दिया। उन्होंने सरकारी योजना का लाभ देते समय पक्षपात नहीं करने और पात्र व्यक्तियों तक सुविधा पहुंचाने की अपील की।

जिलाधिकारी ने एक-एक करके प्रत्येक शिकायतों का जवाब दिया और उनके समाधान के लिए लाइन विभाग के अधिकारियों को शामिल किया। उन्होंने सभा को सूचित किया कि चर्चा के तहत अधिकांश मुद्दों को जल्द ही पूरा किया जा सकता है, हालांकि जीपीयू सदस्यों से अनुरोध है कि वे कुछ मांगों के लिए धैर्य दिखाएं, जिन्हें पूरा होने में अधिक समय लग सकता है।

इससे पहले स्वागत भाषण शेराब तेन्जिंग लेप्चा (गुम्पा समिति अध्यक्ष) ने दिया। इसके बाद विधायक ने ग्राम प्रशासन केंद्र, फेयर वेदर रोड, मेल्ली आचिंग सेकेंडरी स्कूल, पीएचएससी और अंत में भसीपाला रोड के नीचे भसीपाला भूस्खलन स्थल का भी दौरा किया।

जनजातीय भाषा शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 19 सितम्बर । समाज कल्याण विभाग के अधीन जनजातीय शोध संस्थान द्वारा केंद्र सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के सहयोग से जनजातीय भाषा शिक्षकों की राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

स्थानीय एनबीबीडीसी सभागार में एसआईसीबी कौशल विकास विभाग तथा सिक्किम सरकार के शिक्षा विभाग के सहयोग से इसका आयोजन किया गया था। इस अवसर पर राज्य के भवन व आवास मंत्री संजीत खरेल मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। उनके अलावा कार्यक्रम में कौशल विकास विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. आईबीएस यादव, अतिरिक्त शिक्षा निदेशक चुकसुंग लेख्चा, समाज कल्याण विभाग के एससीएस, सचिव छेवांग ग्याछो, अनुसंधान अधिकारी टीआरआई गणेश कुमार सुब्बा, नोडल अधिकारी सोनम ओंगचेन भूटिया एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंत्री खरेल ने कार्यक्रम आयोजकों

मंत्री संजीत खरेल ने आदिवास भाषाओं के संरक्षण पर दिया जोर

के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शिक्षकों को आदिवासी भाषाओं के संरक्षण में प्रशिक्षण का उपयोग करने और छात्रों को उनकी स्वदेशी भाषाओं को समझने के कौशल को बढ़ावा देने में मदद हेतु प्रोत्साहित किया।

इससे पहले अपने उद्घाटन भाषण में चुकसुंग लेख्चा ने सिक्किम में जनजातीय भाषाओं के बारे में जानकारी देते हुए भविष्य में इनके योगदान की दिशा में सक्रिय रूप से काम करने पर जोर दिया। वहीं अपने मुख्य भाषण में शेवांग ग्याछो ने आदिवासी भाषा शिक्षकों की राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित करने पर विस्तार से बात करते हुए एक साथ काम करने से छात्रों को लंबे समय में हमेशा सही मार्गदर्शन मिलने की बात कही। उन्होंने कहा कि 19 से 23 सितंबर तक के पांच दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से एक समृद्ध और उपयोगी अनुभव प्राप्त होगा।

श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में वृद्धि का श्रेय लेने की होड़

एसपीवाईएफ व एसकेएम आमने-सामने

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 19 सितम्बर । सिक्किम में श्रमिकों के लिए हाल ही में न्यूनतम वेतन वृद्धि की अधिसूचना का श्रेय लेने हेतु सिक्किम प्रोग्रेसिव यूथ फोरम (एसपीवाईएफ) और सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) सरकार आमने-सामने हैं। दोनों ओर से इसे लेकर बयानबाजी के साथ ही स्वयं को श्रमिकों का सच्चा हितैषी बताया जा रहा है।

बीते रविवार को ही एसपीवाईएफ द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि संगठन ने कभी भी न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी का श्रेय नहीं लिया है। यह राज्य के श्रमिकों ने हमें दिया है। वहीं हाल ही में संपन्न हुए सिक्किम विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामंग ने न्यूनतम वेतन वृद्धि पर भाजपा विधायक एनके सुब्बा के एक सवाल के जवाब में कहा था कि श्रमिकों के न्यूनतम वेतन वृद्धि का श्रेय राज्य सरकार नहीं ले रही है। हम पहले से ही इस दिशा में काम कर रहे थे। लेकिन अब कोई और इसका श्रेय ले रहा है। ऐसा कोई भी कर सकता है, लेकिन सरकार गठन के पहले से ही न्यूनतम वेतन वृद्धि हमारे चुनावी घोषणापत्र का हिस्सा था। अब यह सरकार की वजह से ही हुई है।

दूसरी ओर, एसपीवाईएफ की ओर से कहा गया कि यह राज्य के राज्य के श्रमिकों के विरोध के बढ़ते दबाव के कारण ही राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना जारी करने पर मजबूर हुई है। इसके जारी होने के बाद ही श्रमिकों ने संगठन सदस्यों का माला और खादा पहना कर अभिनंदन किया। उनके अनुसार हमारे राज्य के श्रमिक इतने भोले-भाले नहीं हैं जितना सत्ताधारी पार्टी उन्हें दिखाना चाहती है। वे शिक्षित, सशक्त और एकजुट हैं और जानते हैं कि न्यूनतम वेतन के मामले में उनके लिए किसने क्या किया। स्वयं को राज्य के श्रमिकों का सच्चा दोस्त बताते हुए एसपीवाईएफ ने कहा कि अब हम यह महसूस कर रहे हैं कि श्रमिकों ने एसपीवाईएफ को अपने सच्चे दोस्त के रूप में पहचान लिया है। इसके कारण एसकेएम में निराशा है। इसके कारण पार्टी के सभी अधिकारी और सोशल मीडिया संचालक हमें गालियां दे रहे हैं। लेकिन यह एसपीवाईएफ की ईमानदारी, सच्चाई और श्रमिकों के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है, जिसके कारण वे हम पर भरोसा करते हैं।

गौरतलब है कि विधानसभा में अपने भाषण में मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया था कि विभिन्न हितधारकों से प्रश्नों और सुझावों को प्राप्त करने के लिए 60 दिवसीय विंडो 10 सितम्बर को समाप्त हुई थी। उसके बाद सरकार ने 13 सितम्बर की सुबह वेतन वृद्धि की अधिसूचना को मंजूरी दी थी। उनेक अनुसार हमें 10 सितंबर को 60 दिवसीय विंडो की अंतिम तिथि तक भी प्रश्न और सुझाव प्राप्त हो रहे थे। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने राज्य में श्रम अनुबंध प्रणाली को समाप्त करने पर विचार करने के बारे में भी विधानसभा में बात की थी।

इसके जवाब में एसपीवाईएफ ने ने कहा कि सरकार ने 60 दिन की समयावधि पूरी होने के बावजूद कोई तारीख निर्धारित नहीं की थी। जब 60 दिवसीय विंडो अवधि समाप्त हो गई, तो श्रम विभाग ने फिर से एक संवाददाता सम्मेलन कर अपनी 'औपचारिकताएं' पूरी करने के लिए और समय मांगा। उन्होंने वेतन वृद्धि हेतु एक तारीख निर्धारित नहीं की थी। इसके बाद जब अल्केम फार्मास्युटिकल कम्पनी के कर्मचारी धरने पर बैठ गए और उन्होंने समर्थन हेतु हमें आमंत्रित किया। उसके बाद हमारे तीन सदस्य वहां गए थे। जब वे लौट रहे थे, तो नामची जिला पुलिस ने उच्चाधिकारियों के इशारे पर हमारे उन तीन सदस्यों को हिरासत में ले लिया।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
कोलकाता निवासी ने
₹ 1 करोड़ जीते

कोलकाता, पश्चिम बंगाल के श्री बिश्वजीत सरकार ने 17.08.2022 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर 43L 12222 है। "डियर लॉटरी से पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीतने के लिए मैं जीवन में काफी भाग्यशाली हूं। आज के समय में पैसे कमाना काफी मुश्किल है। हर एक काम के लिए पैसों की जरूरत है और हमारी आमदनी तथा खर्चों के बीच संतुलन बनाना काफी महत्वपूर्ण है। अब मैं आर्थिक समस्याओं से मुक्त होकर अपने परिवार के लिए एक बेहतर भविष्य की योजना बना सकता हूं। इस अवसर के लिए मैं डियर लॉटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज को धन्यवाद देना चाहता हूं।" विजेता ने कहा।

ईडी की चार्जशीट में पार्थ चटर्जी-अर्पणा मुखर्जी की 103 करोड़ रुपये की संपत्ति दर्ज

कोलकाता, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करोड़ों रुपये के पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) भर्ती अनियमितताओं के घोटाले पर सोमवार को अपना पहला आरोप पत्र पेश किया, जिसमें उसने पूर्व राज्य मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी के पास 103.10 करोड़ रुपये की संपत्ति का उल्लेख किया है। चार्जशीट कोलकाता की एक विशेष ईडी अदालत में पेश की गई।

ईडी के अधिकारियों ने कहा कि जुलाई में कोलकाता में मुखर्जी के दो आवासों से जब्त की गई संपत्ति में 49.80 करोड़ रुपये की नकदी और 5.08 करोड़ रुपये का सोना शामिल है।

शेष राशि अन्य अचल संपत्ति जैसे बैंक जमा, भूमि और आवास के रूप में भूमि संपत्ति और कई कंपनियों में निवेश के रूप में है।

इन कंपनियों के निदेशक, जिन पर ईडी के अधिकारियों को संदेह था कि वे फर्जी कंपनियां हैं, जो घोटाले की आय को डायवर्ट करने के लिए हैं, चार्जशीट में भी नाम हैं।

ईडी द्वारा अपनी जांच शुरू करने के बाद 58वें दिन दाखिल किए गए पहले आरोप पत्र में कुल 35 बैंक खातों में 7.89 करोड़ रुपये की कुल जमा राशि का भी उल्लेख किया गया है।

इसने घोटाले में चटर्जी और मुखर्जी को मुख्य आरोपी बनाया है।

चार्जशीट के कुल पेजों की संख्या 872 है। इस बीच, चटर्जी ने कथित तौर पर जांच एजेंसी के अधिकारियों को बताया है कि राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री के रूप में उन्हें डब्ल्यूबीएसएससी के दिन-प्रतिदिन के कामकाज पर कोई अधिकार नहीं था और उन्होंने सिर्फ उन फाइलों पर हस्ताक्षर किए थे, जिन्हें आयोग की ओर से अग्रेषित किया गया था।

सीबीआई सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के दौरान चटर्जी ने पूरा दोष डब्ल्यूबीएसएससी के अधिकारियों पर मढ़ा था और कहा था कि एक मंत्री के रूप में उन्होंने आयोग के अधिकारियों पर पूरी तरह भरोसा करते हुए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए।

चटर्जी के अलावा, पश्चिम बंगाल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन के पूर्व अध्यक्ष, कल्याणमय गंगोपाध्याय और डब्ल्यूबीएसएससी की स्क्रीनिंग कमेटी के पूर्व संयोजक एसपी सिन्हा भी सीबीआई की हिरासत में हैं।

दोनों से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की गई है और जल्द ही केंद्रीय एजेंसी के अधिकारी उनके बयानों में विसंगतियों से बचने के लिए एक साथ पूछताछ शुरू करेंगे।

सपा से किसी नियम और शिष्टाचार की उम्मीद करना 'कपोल कल्पना' : योगी

लखनऊ, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन राज्य की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) द्वारा आयोजित 'पैदल मार्च' पर तंज कसते हुए कहा कि सपा से किसी नियम और शिष्टाचार की उम्मीद करना कपोल कल्पना' है। सोमवार को सदन की शुरुआत से पहले विधान भवन के बाहर योगी आदित्यनाथ से जब पत्रकारों ने सपा के पैदल मार्च को अनुमति देने के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि किसी भी दल को, किसी भी व्यक्ति को लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने में कोई बुराई नहीं है। नियमानुसार अगर उन्होंने (सपा) कोई अनुमति मांगी होगी, तो पुलिस उन्हें सुरक्षित और सही मार्ग अवश्य देगी, अनुमति भी देगी, इसमें कोई संदेह नहीं है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लेकिन यह संबंधित और जिम्मेदार नागरिक, संगठन और राजनीतिक दलों का नैतिक दायित्व बनता है कि वे अपने किसी आंदोलन या जुलूस के लिए नियमानुसार अनुमति मांगे। बिना लोक व्यवस्था को भंग किए उस कार्यक्रम को निर्विघ्न संपन्न कराने का दायित्व प्रशासन का है।'' हालांकि, इसके आगे मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि मुझे लगता है कि समाजवादी पार्टी से यह उम्मीद करना कि वह किसी नियम को मानेगी किसी शिष्टाचार निभाएगी, यह कपोल कल्पना ही कही जा सकती है।

सोमवार को विधानसभा सत्र की शुरुआत पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने सभी विधायकों के साथ महंगाई, बेरोजगारी, बदहाल कानून-व्यवस्था और किसान, महिला व युवा उत्पीड़न जैसे जनहित के मुद्दों को लेकर सपा मुख्यालय से विधानसभा तक 'पैदल मार्च' का ऐलान किया था। हालांकि, पुलिस ने बीच रास्ते में ही सपा प्रमुख यादव समेत उनके विधायकों को रोक दिया जिसके विरोध स्वरूप वह धरने पर बैठ गये, बाद में उनका धरना समाप्त हो गया।

पत्रकारों से बातचीत में योगी आदित्यनाथ ने विधानमंडल के मानसून सत्र की कार्यवाही में भाग लेने आ रहे सभी सदस्यों का हृदय से स्वागत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता के जनाकांक्षा और अपेक्षा को सदन में रखकर उन समस्याओं के माध्यम से आम जन की संवेदना के साथ अपनी संवेदना को जोड़ने का एक अवसर सभी सदस्यों को मिलेगा। उत्तर प्रदेश के विधानमंडल को देश का सबसे बड़ा विधान मंडल बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वाभाविक रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों पर विश्वास करने वाले सभी नागरिकों को उत्तर प्रदेश विधान मंडल की कार्यवाही का इंतजार होता है और वे बड़े विश्वास के साथ यहां पर होने वाली उन सभी चर्चाओं का हिस्सा बनकर गौर से देखते हैं।

योगी ने दावा किया कि 25 करोड़ की आबादी के हितों के लिए डबल इंजन की सरकार बिना भेदभाव के कार्य कर रही है और समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को शासन की योजनाओं का लाभ प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए भी उत्तर प्रदेश के अंदर अभाव और अराजकता के लिए कोई जगह नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मुद्दों पर चर्चा का बेहतरीन माध्यम सदन है।

उन्होंने कहा कि कल सरकार ने दलीय नेताओं को स्पष्ट रूप से कहा कि हर मुद्दे पर चर्चा करने को तैयार है; माननीय सदस्यों द्वारा, विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले किसी भी मुद्दे पर जवाब देने को सदन तैयार है।

उन्होंने भरोसा जताया कि सदन में प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए योजना बनेगी। योगी ने कहा कि हमारे पीठासीन अधिकारियों ने 22 सितंबर का दिन सभी महिला सदस्यों के लिए महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर चर्चा के लिए रखा है।

2024 में जनता के पूर्ण आशीर्वाद के साथ लौटेंगे पीएम मोदी: स्मृति ईरानी

नई दिल्ली, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने पुस्तिक विमोचन कार्यक्रम के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा। दरअसल,अगस्त में जेडीयू ने बीजेपी से गठबंधन तोड़ आरजेडी के साथ मिलकर बिहार में नई सरकार बना ली थी, इसके बाद से ही बीजेपी नीतीश कुमार को आड़े हाथों लिए हुए है।

हाल ही में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद सत्ता में लौट आएंगे। ईरानी ने नीतीश कुमार को तंज कसते हुए कहा कि इस राज्य में सरकार बनाने के लिए हमेशा दूसरों पर निर्भर रहने वाले लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष कर रहे हैं। ईरानी ने कहा कि मोदी के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी 2024 में सत्ता चाहते हैं लेकिन उन्हें एहसास नहीं है कि पीएम पद के लिए कई आकांक्षी हैं, लेकिन केवल एक ही है जो प्रधान सेवक बनकर खुश है। स्मृति ईरानी ने कहा कि प्रधान सेवक सेवा भाव से काम करते हैं और वह 2024 में जनता के पूर्ण आशीर्वाद के साथ लौटेंगे।

बता दें कि स्मृति ईरानी मोदी 20 पुस्तक पर आधारित पार्टी के एक मीटिंग में शामिल होने के लिए आईं थीं इस दौरान उनके साथ उनके कैबिनेट सहयोगी गिरिराज सिंह, पूर्व मंत्री रविशंकर प्रसाद और राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी उपस्थित थे।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के विरोध में छात्र का आत्मदाह का प्रयास, छात्रों की पुलिस से नोकझोंक

प्रयागराज, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के खिलाफ छात्रों का आंदोलन जारी है। इस बीच सोमवार को विरोध में शामिल छात्र आदर्श भदोरिया ने आत्मदाह की कोशिश की। अपने ऊपर मिट्टी का तेल डालकर लिया। इससे छात्र संघ भवन परिसर में अफरातफरी की स्थिति बन गई। पुलिस ने मिट्टी का तेल छिड़क चुके आदर्श भदौरिया को किसी तरह से पकड़ा और आग लगाने से रोका। कुछ अन्य छात्रों पर भी मिट्टी का तेल पड़ गया। इस दौरान छात्रों और पुलिस में नोकझोंक भी हुई। पुलिस ने मिट्टी तेल से भींगे छात्रों पर पानी की बौछार कर किसी तरह बड़ी घटना को बचा लिया।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के खिलाफ कई दिनों से आंदोलन चल रहा है। आंदोलन में शामिल आदर्श भदोरिया ने सोमवार की दोपहर करीब 12.50 पर खुद पर मिट्टी का तेल छिड़क लिया। उसके मिट्टी का तेल छिड़कते ही अफरातफरी मच गई। पुलिस ने किसी तरह आग लगाने से छात्र को रोका।

इसी दौरान पुलिस से नोकझोंके से छात्र भड़क गए और हंगामा शुरू कर दिया। छात्रों ने बाहर निकल कर सड़क जाम करने की कोशिश की पर पुलिस ने इस कोशिश को नाकाम कर दिया। इससे परिसर में हालात तनावपूर्ण हो गए हैं।

सैकड़ों की संख्या में पुलिस के जवान परिसर को घेरे हुए हैं। इसके बाद परिसर को पुलिस की छावनी में बदल दिया गया। 100 से अधिक पुलिस के जवान और अधिकारी छात्रसंघ भवन परिसर में जमे हुए हैं। उधर डीएसडब्ल्यू कार्यालय पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों का प्रदर्शन जारी रहा। पुलिस ने उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया है।

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर राज्यपाल ने लगाए गंभीर आरोप, बोले- मीडिया के सामने खोलूंगा राज

तिरुवनंतपुरम, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के साथ टकराव के बाद एक अभूतपूर्व घटनाक्रम में सोमवार को राजभवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। राजभवन से रविवार रात एक संदेश में कहा गया, राज्यपाल कल मीडिया के साथ कुछ वीडियो क्लिपिंग और दस्तावेज साझा करना चाहते हैं।'' इससे पहले राज्यपाल ने रविवार को पत्रकारों से कहा कि वह सोमवार को सभी पत्र पेश करेंगे, जो मुख्यमंत्री ने उन्हें लिखे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि केरल पुलिस ने तीन साल पहले उनके खिलाफ हुए हमले के सिलसिले में मामला दर्ज नहीं किया था।

उन्होंने कहा कि गृह विभाग का प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन इस संबंध में पुलिस की निष्क्रियता के मामले में शामिल थे। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री ने पुलिस को इसकी रिपोर्ट नहीं करने का निर्देश दिया। शनिवार को आरिफ मोहम्मद खान ने आरोप लगाया कि राज्यपाल कार्यालय को नीचा दिखाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि मुख्यमंत्री अपने द्वारा उठाए गए मुद्दों पर खुलकर सामने आए। उन्होंने विजयन की इस आलोचना का जवाब देते हुए कहा कि राज्यपाल के बयान उनके पद के अनुरूप नहीं हैं।

कन्नूर विश्वविद्यालय में मलयालम भाषा में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में मुख्यमंत्री के निजी सचिव केके रागेश की पत्नी प्रिया वर्गीस की नियुक्ति को लेकर मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच पहले से ही वाकयुद्ध छिड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को राज्य के विश्वविद्यालयों में नियुक्तियों में कथित भाई-भतीजावाद के खिलाफ राज्यपाल की आलोचना का जवाब देते हुए कहा,उनके सभी आरोप निराधार हैं। कोई ऐसा कैसे कह सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पूरी तरह से बकवास है। उन्हें कैंपस की राजनीति के हिस्से के रूप में विश्वविद्यालय परिसरों में नियुक्ति के मुद्दों और प्रचार सामग्री के निर्माण सहित ऐसे मामलों पर इस तरह का जवाब देने का अधिकार किसने दिया।

शिवाजी पार्क में रैली को लेकर शिवसेना के दोनों गुट आमने-सामने

मुंबई, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े को यहां बांद्रा कुर्ला परिसर (बीकेसी) में रैली करने की मंजूरी मिलने के बाद अब उसके लिए मुंबई के शिवाजी पार्क में अपनी वार्षिक दशहरा रैली की अनुमति प्राप्त करना आसान होगा। शिवसेना के दोनों गुटों ने ऐतिहासिक शिवाजी पार्क में अपनी-अपनी रैलियां आयोजित करने का दावा पेश किया था।

दोनों पक्षों ने बारी-बारी से अगले महीने दशहरे पर बीकेसी के एमएमआरडीए मैदान में अपनी-अपनी रैलियां आयोजित करने की अनुमति के लिए आवेदन किया था। शिंदे धड़े को बीकेसी में रैली करने की मंजूरी मिल गई है। लेकिन, शिवाजी पार्क मैदान को लेकर बीएमसी की ओर से कोई फैसला नहीं लिया गया है।

शिवसेना के सांसद एवं प्रवक्ता अरविंद सावंत ने पीटीआई-भाषा' से कहा कि शिंदे समूह को बीकेसी के एमएमआरडीए मैदान में रैली करने की अनुमति देते समय पहले आओ-पहले पाओ'' के सिद्धांत को लागू किया गया है। एमएमआरडीए मैदान पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी आवास मातोश्री' से कुछ ही दूरी पर स्थित है। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए, सावंत ने यह भी कहा कि ठाकरे गुट के लिए शिवतीर्थ' में वार्षिक रैली आयोजित करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं हो सकता।

शिव सेना शिवाजी पार्क के लिए शिवतीर्थ' शब्द का उपयोग करती है। शिवाजी पार्क के लिए अनुमति से इनकार करने की स्थिति में पार्टी की रणनीति के बारे में पूछे जाने पर, सावंत ने कहा कि शिवसेना देखेगी कि उसके बाद क्या किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने अभी तक उन्हें शिवाजी पार्क में रैली करने की अनुमति नहीं दी है। सावंत ने कहा, अब, हमारे लिए (शिवाजी पार्क के लिए मंजूरी प्राप्त करना) आसान हो जाएगा। उन्हें (शिंदे समूह को) 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर अनुमति मिली। इसलिए, शिवाजी पार्क के लिए यही सिद्धांत हम पर भी लागू होता है।

फ्लिपकार्ट के बिग बिलियन डेज की शुरुआत 23 सितम्बर से

सिलीगुड़ी, 19 सितम्बर । फ्लिपकार्ट अपने प्रमुख कार्यक्रम के 9वें संस्करण के साथ वापस आ गया है, द बिग बिलियन डेज़ (टीबीबीडी) 23 सितंबर से 30 सितंबर, 2022 तक शुरू होगा, जिसमें लाखों उपभोक्ता, विक्रेता, एमएसएमई और किराना डिलीवरी पार्टनर एक साथ आएंगे। एक समावेशी त्योहारी सीजन के लिए देश भर में।

टीबीबीडी इस साल फ्लिपकार्ट ऐप पर रोमांचक पेशकशों के साथ त्योहारों की धूम मचाएगा। इसमें 'कूपन रेन' के माध्यम से एक गेमीफिकेशन अनुभव शामिल होगा जो ग्राहकों को अपने परिवार और दोस्तों के साथ खेलने का मौका देगा, और इसमें ऐसे पुरस्कार भी शामिल होंगे जो त्योहारी सीजन को खास बनाएंगे। ग्राहक विभिन्न श्रेणियों में 90+ ब्रांडों के 130 'स्पेशल एडिशन' संग्रहणीय वस्तुएं देखेंगे, जो 10,000+ नए उत्पादों का विस्तृत वर्गीकरण लाएंगे।

उन्हें विराट कोहली, कृति सनोन, शेफ विकास खन्ना, आयुष्मान खुराना, रणवीर सिंह, ऋतिक रोशन, पीवी सिंधु और के एल राहुल जैसे ब्रांडों और प्रिय हस्तियों द्वारा सह-निर्मित नए उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच प्रदान की जाएगी। कुछ। द बिग बिलियन डेज़ 2022 के लॉन्च की घोषणा करते हुए, फ्लिपकार्ट ग्रुप के सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति ने कहा, विक्रेताओं, एमएसएमई, किराना स्टोर्स और अन्य साझेदारों का हमारा बढ़ता पारिस्थितिकी तंत्र देश के विभिन्न नुक्कड़ और कोनों में ग्राहकों की उभरती आवश्यकताओं को निर्बाध रूप से पूरा करेगा।

रिया ने 25 साल का माइलस्टोन पूरा किया

दार्जिलिंग, 19 सितम्बर । रिया ने वित्त वर्ष 2021-2022 में महामारी के कारण बाजार की चुनौतियों के बावजूद 80 करोड़ रुपये के कारोबार के साथ परयूम इंडस्ट्री में 35 साल का माइलस्टोन पूरा कर लिया है। रिया को प्रतिष्ठित नीलसन आईक्यू रिटेल ऑडिट रिपोर्ट, जनवरी-दिसंबर 2021 द्वारा लगातार तीसरे वर्ष वैल्यू शेयर द्वारा भारत में परयूम सेगमेंट लीडर के रूप में प्रमाणित किया गया है। नीलसन आईक्यू रिटेल ऑडिट रिपोर्ट, जनवरी-दिसंबर 2021 के अनुसार, भारत में परयूम का कारोबार ई-कॉमर्स रेवेन्यू को छोड़कर 790 करोड़ रुपये का उद्योग था। इस इंडस्ट्री 2025 तक बढ़कर 1200 करोड़ रुपये (ई-कॉमर्स सहित) होने की उम्मीद है।

श्रीमान पर्पस प्लैनेट के फाउंडर और सीईओ आदित्य विक्रम डागा ने कहा, रिया ने महानगरीय शहरों के अलावा टियर I, II और III बाजारों की संवेदी संवेदनाओं के लिए अपील करने के लिए शक्तिशाली भारतीय अवधारणाओं और ओलफैक्टरी नॉलेज के साथ खुद को स्मार्ट रूप से मूल्य-स्थित किया है।

इस घरेलू ब्रांड, जिसकी पूरे भारत में उपस्थिति है, 2025 तक बढ़ते परयूम इंडस्ट्री में 240 करोड़ रुपये का कारोबार हासिल करने के लिए 20 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी का लक्ष्य रख रहा है।

इशरत जहां मुठभेड़ की जांच करने वाले आईपीएस अधिकारी को सुप्रीम राहत

नई दिल्ली, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। इशरत जहां फर्जी एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र के फैसले पर एक सप्ताह के लिए रोक लगा दी है। गुजरात में इशरत जहां की कथित फर्जी मुठभेड़ में सीबीआई की जांच में मदद करने वाले वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सतीश चंद्र वर्मा के लिए ये राहत की खबर है।

केंद्र ने आईपीएस अधिकारी को बर्खास्त करने का आदेश दिया था। जस्टिस के.एम. जोसेफ और हृषिकेश रॉय ने वर्मा को बर्खास्तगी के आदेश को चुनौती देने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय के सामने लंबित याचिका में संशोधन के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश दिया। वर्मा को 30 सितंबर को उनकी सेवानिवृत्ति से पहले 30 अगस्त को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। उन्होंने अप्रैल 2010 और अक्टूबर 2011 के बीच 2004 के इशरत जहां मामले की जांच की थी और उनकी जांच रिपोर्ट पर, एक विशेष जांच टीम ने इसे फर्जी मुठभेड़ माना था।

जस्टिस केएम जोसफ और ऋषिकेश राय की बेंच ने वर्मा को इस बात की इजाजत दी कि वे इस फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दे सकते है। पीठ ने कहा कि न्याय के हितों को देखते हुए प्रतिवादी की तरफ से अपीलकर्ता को खारिज करने वाले आदेश को आज से एक सप्ताह तक लागू नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, मामले में हाई कोर्ट यह निर्णय लेगा कि आइपीएस अधिकारी को अपने पोस्ट पर बने रहना है या पद से हटाने के फैसले को जारी रखा जाएगा।

वर्मा का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि उच्च न्यायालय समय-समय पर उनकी याचिका पर आदेश पारित कर रहा था, और अब मामले को जनवरी 2023 के लिए बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि उनके मुवक्किल की याचिका का कोई हल नहीं निकल रहा है और या तो सुनवाई के लिए मामले को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करें, या हाईकोर्ट को सुनवाई को आगे बढ़ाने के लिए कहें।

उच्च न्यायालय द्वारा गृह मंत्रालय को विभागीय जांच के मद्देनजर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की अनुमति देने के बाद वर्मा ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था, जिसने उनके खिलाफ आरोपों को साबित कर दिया था।

आरोपों में सार्वजनिक मीडिया के साथ बातचीत करना शामिल था, जब वह नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन, शिलांग के मुख्य सतर्कता अधिकारी थे।

फ्लिटकार्ट ने पिछले साल की तुलना में 220 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

सिलीगुड़ी, 19 सितम्बर । फ्लिटकार्ट ने अपने प्लेटफॉर्म पर नए विक्रेता भागीदारों को शामिल करने में पिछले साल की तुलना में 220 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इस फेस्टिव सीजन में करीब 11 लाख बिजनेस (शॉप्सी समेत) हिस्सा लेंगे। यह इस विश्वास का एक वसीयतनामा है कि भारतीय एमएसएमई, छोटे व्यवसायों और उद्यमों के पास लिपकार्ट और शॉप्सी में विश्वसनीय साझेदार हैं, जो अपने व्यवसाय को डिजिटाइज़ और आधुनिक बनाने, अपनी बाज़ार पहुंच का विस्तार करने और अपने राजस्व में सुधार करने के लिए ई-कॉमर्स की शक्ति का लाभ उठाते हैं।

फ्लिटकार्ट ने हाल ही में सेलर्स के लिए एक नई ब्रांड की फिल्म '#इसबारसबसेदमदार' लॉन्च की है। फिल्म 400+ मिलियन से अधिक ग्राहकों को सेवा देने के लिए विक्रेताओं के बीच उत्साह और तैयारियों को दर्शाती है। इस साल की शुरुआत में, फ्लिटकार्ट ने अधिक समावेशी ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए इंडस्ट्री-फर्स्ट बाज़ार नीति में बदलाव और नई क्षमताओं की घोषणा की है जो विक्रेता भागीदारों के विकास, समृद्धि और सशक्तिकरण में योगदान देता है।

एमएसएमई द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था में लाए गए मूल्य की सराहना करते हुए, फ्लिटकार्ट ग्रुप के चीफ कॉर्पोरेट ऑफिसर, रजनीश कुमार ने कहा, हम तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में नवाचारों और अवसरों तक पहुँचने के लिए देश भर में एमएसएमई के लिए विकास क्षमता को अनलॉक करने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे। देश में लाखों नई नौकरियां पैदा करना जारी रखने में मदद करेंगे।

कारवां, सारेगामा ने लॉन्च किया कारवां मोबाइल

सिलीगुड़ी, 19 सितम्बर । कारवां, सारेगामा ने एक उपयोगिता-आधारित उत्पाद कारवां मोबाइल लॉन्च किया है, जो न केवल कार्यात्मक जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि साथ ही प्री-लोडेड गानों की एक अतिरिक्त सुविधा देता है जो कीपैड फोन बाजार में अनसुना है। कारवां मोबाइल प्री-लोडेड गानों के साथ अब तक का पहला कीपैड मोबाइल है और कारवां मोबाइल उन सभी मोबाइल में से एक है जो अभी भी कीपैड फोन के अनुभव की कसम खाते हैं। प्री-लोडेड गानों को चलाने के लिए किसी इंटरनेट की आवश्यकता नहीं होती है और सुनने के अनुभव को बाधित करने के लिए कोई विज्ञापन ब्रेक नहीं होता है।

1,500 प्री-लोडेड हिन्दी गानों के अलावा, फोन वायरलेस एफएम, डिजिटल कैमरा, एलईडी टॉर्च, ऑक्स आउट, मल्टी-लैंग्वेज सपोर्ट, वॉयस रिकॉर्डिंग, कॉल रिकॉर्डिंग, डुअल सिम, 8 जीबी मेमोरी कार्ड के साथ 8 जीबी फ्री स्पेस जैसी सुविधाओं से भरपूर है। किसी भी व्यक्तिगत संगीत संग्रह, वीडियो या छवियों और कई अन्य सुविधाओं के लिए। लंबे समय तक चलने वाले टॉकटाइम के लिए फोन में बड़ी डिस्प्ले और 2500 एमएएच की बैटरी है। यह मीडियाटेक प्रोसेसर के साथ आता है और 1 साल की वारंटी के साथ भी समर्थित है। कारवां मोबाइल दो स्क्रीन साइज-2.4 इंच और 1.8 इंच में आता है, जिनकी कीमत क्रमश: 2490 रुपये और 1990 रुपये है।

चुनने के लिए तीन उत्तम दर्जे के रंग हैं- एमराल्ड ग्रीन, क्लासिक ब्लैक और रॉयल ब्लू। यह वर्तमान में हिंदी और तमिल में खुदरा बाजार और saregama.com, ऐमज़ान और लिपकार्ट जैसे ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

2024 से पहले मोदी के खिलाफ ढीले पड़े ममता बनर्जी के तेवर, बोलीं- पीएम नहीं कर रहे सीबीआई-ईडी का दुरुपयोग

कोलकाता, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि उन्हें नहीं लगता कि राज्य में केंद्रीय एजेंसियों की कथित ज्यादतियों के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं का एक तबका अपने हित साधने के लिए एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहा है।

केंद्रीय जांच एजेंसियों की 'ज्यादतियों' के खिलाफ विधानसभा में एक प्रस्ताव पर बोलते हुए बनर्जी ने प्रधानमंत्री से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि केंद्र सरकार का एजेंडा और उनकी पार्टी के हित आपस में न मिलें। भाजपा ने प्रस्ताव का विरोध किया जिसे बाद में विधानसभा ने पारित कर दिया। तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष बनर्जी ने कहा, वर्तमान केंद्र सरकार तानाशाहीपूर्ण तरीके से व्यवहार कर रही है। यह प्रस्ताव किसी खास के खिलाफ नहीं है, बल्कि केंद्रीय एजेंसियों के पक्षपातपूर्ण कामकाज के खिलाफ है।''

विपक्ष के नेता शुभेन्दु अधिकारी ने कहा कि इस तरह का 'सीबीआई और ईडी के खिलाफ प्रस्ताव' विधानसभा के नियमों के खिलाफ है। प्रस्ताव के पक्ष में 189 और विरोध में 69 मत पड़े। सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियां राज्य में कई मामलों की जांच कर रही हैं, जिनमें तृणमूल कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता आरोपी हैं।

ममता बनर्जी का यह बयान विपक्ष के लिए झटका माना जा रहा है। दरअसल, विपक्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले एकसाथ आने की कोशिश में जुटा है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर खुलेतौर पर मोदी सरकार को ताल ठोक रहे हैं। दूसरी तरफ, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एनडीए को बड़ा झटका देते हुए जुलाई में गठबंधन तोड़ महागठबंधन में शामिल हो गए। इसके बाद लगातार वह प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा पर हमलावर हैं। नीतीश कुमार लगातार विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश में जुटे हैं। इसी के मद्देनजर उन्होंने हाल की में दिल्ली में कई दलों को प्रमुख नेताओं से मुलाकात की। इसमें अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल, शरद पवार, केसीआर समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

साल 2021 में तीसरी बार बंगाल में प्रचंड जीत के साथ सत्ता में आई ममता बनर्जी के तेवर अब ढीले पड़ते नजर आ रहे हैं। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में 'खेला होबे' के साथ-साथ देश में 'खेला होबे' का नारा देने वाली ममता बनर्जी के सुर अब बदलने लगे हैं। तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने बंगाल से सीधे प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती दे दी थी। लेकिन अब उनके इस बयान के कई मायने निकाले जा रहे हैं।

यूपीए सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ किया गया खिलवाड़ : अमरिंदर सिंह

नई दिल्ली, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। पंजाब में लंबे समय तक कांग्रेस के मुख्यमंत्री रह चुके अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली पिछली यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि तत्कालीन सरकार के रक्षा मंत्री ए के एंटनी ने पूरे कार्यकाल के दौरान सेना के तीनों अंगों के लिए एक भी हथियार की खरीद नहीं की, जबकि चीन और पाकिस्तान की तरफ से बढ़ रहे खतरे के मद्देनजर यह उस समय बहुत जरूरी था।

सोमवार को भाजपा में शामिल होने और अपनी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस का भाजपा में विलय करने के बाद अमरिंदर सिंह ने पंजाब की चिंताजनक हालात और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर अपनी पुरानी पार्टी कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वो 52 साल से राजनीति में हैं। पंजाब सीमावर्ती राज्य है, जहां पाकिस्तानी ड्रोन का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य में अराजकता फैलाने के लिए ड्रोन के जरिए ड्रग्स, हथियार और पैसा भेजा जा रहा है और यह हमारी सीमा के 42-43 किमी तक अंदर आ रहा है।

अमरिंदर सिंह ने आगे कहा कि भाजपा ही एक ऐसी राजनीतिक पार्टी है जो राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत कर रही है और इसलिए उन्होंने अपनी पार्टी का विलय भाजपा में करने का फैसला किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के प्रति आभार भी जताया।

सोमवार को भाजपा मुख्यालय में अमरिंदर सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, सुनील जाखड़ और पंजाब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की मौजूदगी में अमरिंदर सिंह ने अपनी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस का भाजपा में विलय भी कर दिया। अमरिंदर सिंह के साथ-साथ पंजाब के कई पूर्व विधायकों और पूर्व लोक सभा सांसद ने भी भाजपा की सदस्यता ली। अमरिंदर सिंह के बेटे रण इंदर सिंह, बेटी जय इंदर कौर और नाती निर्वाण सिंह भी सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। कांग्रेस से लोक सभा सांसद और अपनी पत्नी परनीत कौर के भाजपा में शामिल होने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए अमरिंदर सिंह ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि जो काम हसबैंड करे वही काम वाइफ भी करे।

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने अमरिंदर सिंह और उनके नेताओं का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस के मुख्यमंत्री होने के बावजूद अमरिंदर सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा को हमेशा पार्टी के राजनीतिक हितों से ऊपर रखा और यही उनकी सबसे बड़ी खूबी रही है। दोनों मंत्रियों ने यह दावा किया कि अमरिंदर सिंह के भाजपा में शामिल होने से भाजपा की ताकत पंजाब में और ज्यादा बढ़ेगी और मजबूत होगी। साथ ही पंजाब की सुरक्षा एवं राष्ट्र की सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

भाजपा में शामिल होने के बाद अमरिंदर सिंह ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात भी की।

मैं लोगों को बताऊंगा कि केरल में क्या हो रहा है : राज्यपाल आरिफ

तिरुवनंतपुरम, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। एलडीएफ के नेतृत्व वाली वाम सरकार के साथ गतिरोध के बीच, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कई मुद्दों पर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को फटकार लगाई, जबकि कांग्रेस और भाजपा ने विजयन का इस्तीफा मांगा।

राज्यपाल आरिफ खान ने कहा, 'मैं लोगों को बताऊंगा कि उनके राज्य में क्या हो रहा है, क्योंकि सत्तारूढ़ माकपा सरकार बुनियादी ढांचे के विकास में दिलचस्पी नहीं ले रही है। वे केवल उन लोगों को खत्म करना चाहते हैं जो उनका विरोध कर रहे हैं।'

लगभग दो घंटे की लंबी प्रेस वार्ता में राज्यपाल ने विजयन को निशाने पर लिया और कन्नूर के कुलपति के रूप में अपने नामित व्यक्ति की फिर से नियुक्ति का अनुरोध करते हुए अपने पत्र जारी किए।

खान ने कहा कि राज्य में शासन करने वाली माकपा काम कराने के लिए दबाव के हथकंडे अपना रही है।

खान ने कहा, 'तीन साल पहले जब मैं कन्नूर में भारतीय इतिहास कांग्रेस में भाग ले रहा था, तब माकपा ने मुझे डराने की कोशिश की थी। मैं विजयन के मौजूदा सचिव के.के. रागेश से पूछना चाहता हूं कि क्या रागेश को यह पद पुरस्कार के रूप में दिया गया था?'

खान ने कहा, 'अब, मुझ पर दो विधेयकों (विश्वविद्यालय संशोधन और लोकायुक्त) पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव डाला जा रहा है। मैं ऐसा नहीं करूंगा, क्योंकि यह विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता से समझौता करता है।'

उन्होंने कहा, 'जब से मैं आरएसएस प्रमुख से मिला हूं, मुझे आरएसएस का आदमी कहा जा रहा है। देश में कई राज्यपाल हैं जो आरएसएस से संबंधित हैं और राज्यपाल के आरएसएस प्रमुख से मिलने में कुछ भी गलत नहीं है। यह कोई प्रतिबंधित संगठन नहीं है। पंडित नेहरू ने गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने के लिए आरएसएस को आमंत्रित किया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने बयान में कहा था कि वह स्वयंसेवक हैं।

राज्यपाल ने कहा कि आरएसएस प्रमुख से उनकी मुलाकात व्यक्तिगत थी, क्योंकि उन्हें पता चला कि वह त्रिशूर पहुंचे हैं।

विजयन के साथ सुलह की संभावना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हां, संभावना है, अगर मैं इन दो विधेयकों पर हस्ताक्षर कर दूं। क्या आप चाहते हैं कि मैं इन पर हस्ताक्षर करूं?'

जिलाधिकारी ने आपदा को लेकर जागरुकता पर दिया जोर

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 19 सितम्बर । जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 'स्टेट रिस्क रिडक्शन डे' पर 18 सितंबर को रोराथांग गवर्नमेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में 'कम्युनिटी रेसीलेंस ऑन डिजास्टर' विषयक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पाकिम डीसी ताशी छोपेल लेप्चा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर आपदा से सम्बंधित विभिन्न गतिविधियों जैसे विनाशकारी भूकम्प, रोल प्ले तथा इसके अनुभवों को साझा करने के बारे में चित्रकारी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। वहीं एनडीआरएफ द्वारा भूकम्प के दौरान उपयोग किए जाने वाले विभिन्न उपकरणों पर मॉक ड्रिल का भी प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान पाकिम डीसी ने विभिन्न आपदाओं के बारे में जनता के बीच जागरुकता पर प्रकाश डाला और उनसे किसी भी आपदा की स्थिति में पहले प्रतिक्रिया के रूप में कार्य करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में पाकिम एडीसी सुश्री अनुपा तामलिंग, रोराथांग वार्ड पंचायत, एसएमसी सदस्य, एनडीआरएफ, पुलिस कर्मियों के अलावा अन्य लोग उपस्थिति थे।

लाठी से नहीं दबायी जा सकती जनता की आवाज

बिहार में जनता राज नहीं गुंडा राज हो रहा स्थापित : विजय सिन्हा

'नीतीश से नहीं संभल रहा गृह विभाग'

सुपौल, 19 सितम्बर (नि.सं.)। नगर पंचायत में चार युवकों एक साथ हुई मौत के मामले में सोमवार को प्रतिपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा मृतकों के परिजनों से मिले। उन्होंने कहा कि प्रजातंत्र में जनता की आवाज को लाठी और गोली से दबायी नहीं जा सकती है। उन्होंने एसपी से 24 घंटे के भीतर थानाध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विजय सिन्हा ने आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से होम विभाग नहीं संभल रहा है।

उन्होंने कहा कि यह मामला एक्सीडेंट का है अथवा हत्या की इसकी जांच की जानी चाहिए। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। मृतक के परिजनों ने बताया कि पुलिस द्वारा धमकी दी जा रही है कि शव नहीं ले जाने पर केस दर्ज किया जाएगा। अभी तक तो 17 लोग ही गिरफ्तार हुए हैं यह सिलसिला 165 तक जाएगा। थानाध्यक्ष द्वारा बॉर्डर एरिया में शराब और बालू उत्खनन की अवैध उगाही की जा रही है।

विजय सिन्हा ने कहा कि ऐसे भ्रष्ट थानाध्यक्ष को अविलंब हटा दिया जाना चाहिए। वैसे भी थानाध्यक्ष का दो साल से अधिक की अवधि पूरी हो चुकी है। वहीं लाठीचार्ज में मृतक रितिक की मां सिर फटने के मामले में भी एसपी से कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि हत्या या एक्सीडेंट में जिन चार युवकों की मौत हुई उनके परिजनों और सगे संबंधियों में आक्रोश होना स्वाभाविक है। पीड़ित परिवार न्याय की मांग करता है तो उसे लाठी और गोली के बल पर दबाने से आक्रोश और भड़कता है। कहा कि जिन लोगो की गिरफ्तारी की गई है उसे भी जांच कर छोड़ा जाना चाहिए। कहा कि चाहे बेगूसराय का मामला हो या वीरपुर का न्याय के खिलाफ भाजपा संघर्ष के लिए तैयार है।

पटना से वीरपुर जाने के क्रम में कोसी आईबी में पत्रकारों को संबोधित करते हुए विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार में अपराधी और भ्रष्टाचारियों का मनोबल बढ़ गया है।

बिहार में जनता राज नहीं गुंडाराज स्थापित हो रहा है। अपराधी और भ्रष्टाचारियों को सत्ता में भागीदारी करने से घटनाएं चरम पर है। इसका परिणाम बिहार में दिखता है। पुलिस प्रशासन द्वारा दुर्घटना करार दिया जा रहा है, जबकि परिजन हत्या का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार मे जंगलराज की समाप्ति के बाद गुंडाराज स्थापित हो गया है। बिहार में भाजपा गुंडाराज कभी नहीं आने देगी। उन्होंने घटना की जांच कर मृतक के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये देने की मांग की है।

विजय सिन्हा ने आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री होम विभाग की जिम्मेदारी अपने पास रखे हैं लेकिन होम विभाग नहीं संभल रहा है। घटना को रोकने के प्रयास करना चाहिए नहीं तो होम विभाग छोड़ देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भी बिहार में राजनीतिक अस्थिरता होती है अपराधिक घटना बढ़ जाती है। मुख्यमंत्री कहते हैं कि हम ना ही किसी को फंसाते हैं और ना ही किसी को बचाते हैं। इसलिए घटना की जांच करा दोषी लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

सीबीआई की बेल कैंसिल याचिका पर बोले तेजस्वी, 2024 से डर रही है बीजेपी

पटना, 19 सितम्बर (का.सं.)। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने सोमवार को आइआरसीटीसी से जुडे मामले में सीबीआई द्वारा जमानत रद्द कराने की याचिका को लेकर प्रतिक्रिया दी। कहा कि भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव का डर सता रहा है।

उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि मैंने सीबीआई को जांच में पूरा सहयोग किया। जहां कहीं भी जरूरत पड़ी सीबीआई के सामने वे मौजूद रहे। उन्होंने यहां तक कहा कि सीबीआई को अगर ज्यादा परेशानी हो रही है और बार-बार छापेमारी करनी पड़ रही है तो वह आकर उनके घर में कार्यालय खोल ले।

तेजस्वी यादव ने कहा कि दरअसल पूरा खेल 2024 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा हुआ है। भाजपा को डर सता रहा है कि 2024 में वहीं हो जाएगा जो अभी बिहार में हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में लाखों नौकरियां निकलने वाली है, युवाओं को रोजगार मिलने वाला है। सरकार ने नीति तय कर ली है। उसे लेकर भी भाजपा दहशत में है और किसी तरह रोजगार जैसे मुद्दे को भाजपा किनारे करवाना चाहती है। भाजपा के नेता इसलिए अनाप-शनाप बयान दे रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बिहार दौरे को लेकर कहा कि चुनाव तो आते रहेंगे लेकिन बिहार को विशेष राज्य का दर्जा कब देंगे यह तो बताइए।

लालू प्रसाद यादव वर्ष 2004 से 2009 के बीच जब रेल मंत्री थे उस दौरान आईआरसीटीसी के रांची और पुरी स्थित दो होटलों को लीज पर निजी कंपनी सुजाता होटल प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया। आरोप है कि होटलों को लीज पर दिए जाने के बदले पटना के बेली रोड स्थित करीब तीन एकड़ का कीमती भूखंड लालू परिवार को

मिला। पहले यह जमीन डिलाइट कंपनी को दी गई और उसके बाद इसे राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव की स्वामित्व वाली लारा प्रोजेक्ट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को बेंच दी गई। आरोप है कि रेलवे के होटलों को लीज पर देने के एवज में डिलाइट कंपनी को बेशकीमती जमीन दी गई और बाद में उक्त कंपनी से लारा कंपनी ने काफी कम कीमत में जमीन खरीद ली। डिलाइट कंपनी राजद के कद्दावर नेता प्रेमचंद गुप्ता की पत्नी सरला गुप्ता की है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
पोस्ट- हिन्दी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा (महाराष्ट्र)- 442001
नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त टोल फ्री क्र. 18002331575
ई-मेल ddeadmissionmgahv@gmail.com वेबसाइट www.hindivishwa.org/distance
प्रवेश पोर्टल लिंक(सामान्य पाठ्यक्रम): http://mgahvdde.samarth.edu.in (पी.एड. पाठ्यक्रम) http://mgahvddeadmission.samarth.edu.in

प्रवेश सूचना

अकादमिक सत्र सितम्बर, 2022 (संशोधित जुलाई-अगस्त, 2022)

दूर शिक्षा निदेशालय

निम्नांकित हिन्दी माध्यम के पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं-

स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

1. पत्रकारिता में स्नातक (BJ) 2. कला में में स्नातक (BA) 3. शिक्षा स्नातक (B.Ed.) 4. व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (MBA)* 5. समाजकार्य में स्नातकोत्तर (MSW) 6. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (MJ) 7. एम.ए. हिन्दी (MAHD) 8. एम.ए समाजशास्त्र (MAS) 9. एम.ए. इतिहास (MAH) 10. एम.ए. राजनीति विज्ञान (MAPS)

स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम

1. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDEM&FP) 2. पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDJMC) 3. कम्प्यूटर एप्लिकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCA) 4. सृजनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDCW) 5. अनुवाद विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDT) 6. नाटक एवं रंगमंच में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDD&T) 7. मीडिया लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDMW)

डिप्लोमा पाठ्यक्रम : 1. कम्प्यूटर एप्लिकेशन में डिप्लोमा (DCA)

प्रमाणपत्र (6 माह): 1. सामाजिक नेतृत्व एवं प्रशससन में प्रमाणपत्र (CSL&G)** 2. चीनी भाषा में प्रमाण पत्र (CCL)** 3. फ्रेंच भाषा में प्रमाणपत्र (CFL)** 4. जापानी भाषा में प्रमाणपत्र (CJL)** 5. स्पैनिश भाषा में प्रमाणपत्र (CSL)**

प्रमाणपत्र (3 माह): गैर सरकारी संस्थाओं के निर्माण एवं प्रबंधन में प्रमाणपत्र (CE&MNGO)**

नोट: * यूजीसी डेब से अनुमोदन की प्रत्याशा में स्थगित हैं। अनुमोदनोपरांत सूचना अलग से केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जाएगी।** केवल मुख्यालय से संचालित।

सामान्य पाठ्यक्रम हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि दि. **15/09/2022 से 15/10/2022**

शिक्षा स्नातक (B.Ed.) पाठ्यक्रम हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि दि. **15/09/2022 से 30/09/2022**

अधिक जानकारी एवं शिक्षार्थी सहायता केंद्र/अभ्यास केंद्र की सूची हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें अथवा टोल फ्री क्रमांक **18002331575** पर सम्पर्क करें।

CBC 21207/12/0005/2223 **कुलसचिव**

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR GANGA MORNING
MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:95 DrawDate on:19/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 40B 00524
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 00524 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
00879 06788 21484 26701 29005 33248 40884 59352 85880 86324
3rd Prize ₹450/-
1572 4761 4877 5407 5756 5778 7789 8098 9060 9322
4th Prize ₹250/-
0411 2371 2978 4754 7017 7650 7903 8042 9016 9890
5th Prize ₹120/-
0109 0135 0158 0337 0479 0592 0595 0600 0622 0635
0654 0823 0969 1120 1222 1244 1289 1308 1349 1525
1750 1784 1864 1904 1960 1965 2024 2092 2208 2460
2627 2657 2839 2947 3161 3324 3516 3527 3686 4004
4178 4330 4350 4503 4509 4702 5062 5572 5671 5683
5703 5802 5921 5922 5932 6078 6089 6099 6234 6289
6293 6387 6521 6636 6710 6880 6929 7022 7040 7073
7089 7105 7111 7199 7223 7245 7302 7368 7704 8038
8073 8121 8205 8403 8575 8758 8816 9036 9055 9186
9202 9275 9338 9524 9695 9737 9738 9934 9975 9992
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR SUN MONDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:95 DrawDate on:19/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 97G 55024
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 55024 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
01334 08492 15667 15738 15950 28647 63575 69429 89119 98911
3rd Prize ₹450/-
0836 1091 3755 3809 5473 5927 6035 6305 7839 9477
4th Prize ₹250/-
0917 1973 2186 3366 3859 5188 5486 8172 8670 9998
5th Prize ₹120/-
0385 0422 0424 0692 0895 0902 0916 1000 1048 1155
1299 1376 1430 1463 1612 1788 1985 2188 2190 2255
2335 2351 2392 2793 2930 2964 3011 3673 3685 3877
3921 3937 4019 4030 4119 4162 4252 4382 4389 4594
4829 4930 4993 5025 5064 5081 5141 5172 5215 5248
5416 5475 5495 5536 5611 5747 5826 5843 5886 5891
5982 5995 6308 6652 6706 6796 6878 7053 7264 7293
7444 7517 7569 7678 7858 7923 8020 8030 8152 8219
8262 8420 8611 8753 8772 8773 8801 8828 9008 9019
9278 9287 9377 9511 9548 9600 9678 9688 9826 9920
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR FLAMINGO EVENING
MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:195 DrawDate on:19/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 97D 08929
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 08929 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
05071 20014 31631 46298 52982 53033 70023 76353 81602 93774
3rd Prize ₹450/-
1568 1755 2921 3194 4310 6026 7286 7667 8217 9750
4th Prize ₹250/-
0010 0049 0646 2540 2653 3479 4587 6071 6186 7775
5th Prize ₹120/-
0102 0192 0203 0402 0474 0541 0564 0675 0708 0770
0825 0899 0999 1158 1353 1539 1632 1708 1804 1837
2086 2100 2580 2675 2737 2871 3007 3078 3093 3275
3277 3282 3420 3434 3506 3534 3586 3813 3888 3892
3994 4001 4028 4104 4109 4427 4475 4667 4842 4899
5228 5249 5339 5427 5501 5518 5675 5825 6140 6282
6389 6409 6554 6709 6721 6742 6747 6899 7010 7014
7082 7091 7099 7140 7180 7292 7554 7580 7645 7726
7814 8148 8265 8309 8400 8473 8648 8851 8920 9029
9034 9091 9147 9238 9381 9396 9741 9851 9942 9970
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

भारत बनेगा शांतिदूत!

मोदी ने पुतिन से जो बात कही, वह भारत का बदला हुआ रुख नहीं है, यह युद्ध का युग नहीं है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शंघाई को-ऑपरेशन समिट के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यह बात कही। इस पर कई जानकारों का मत है कि रूस से जो कहा जाना चाहिए, वह भारत ने आखिरकार कह ही दिया। संयुक्त राष्ट्र संघ में हाल में भारत का जो रुख रहा है, उससे भी इस विश्लेषण को आधार मिलता है। संयुक्त राष्ट्र की बैठकों को संबोधित करने को लेकर भारत ने दो बार यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के हक में वोट डाले। लेकिन क्या जानकारों का यह मत सही है?

सच पूछिए तो मोदी ने जो बात कही, इस विश्लेषण में उसका पूरा सच शामिल नहीं है। यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत का जो रुख रहा है और भारत जो कर सकता है, इसमें उसका भी पूरा अक्स नहीं दिखता। पहली बात तो यह है कि यूक्रेन युद्ध की शुरुआत से ही मोदी हिंसा रोकने की अपील कर रहे हैं। दूसरी बात यह है कि प्रधानमंत्री और सरकार के दूसरे उच्चाधिकारी लगातार यह कहते आए हैं कि इस भू-राजनीतिक संकट में हम वही करेंगे, जो राष्ट्रहित में होगा। यही वजह है कि भारत ने शांति और बातचीत की वकालत तो की, लेकिन वह पश्चिमी देशों के रूस पर लगाए आर्थिक प्रतिबंधों से दूर रहा। यह सही फैसला था क्योंकि यूरोप ने भी रूस से तेल और गैस खरीदना बंद नहीं किया और इसे आर्थिक प्रतिबंधों से अलग रखा।

इसलिए जब मोदी, पुतिन से कहते हैं कि यह युद्ध का युग नहीं है तो वह भारत के रुख में बदलाव नहीं ला रहे बल्कि वह बता रहे हैं कि युद्ध की बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है, इसलिए शांति जरूरी है। असल में, मोदी के इस बयान को यूक्रेन युद्ध के कारण खड़े हुए खाद्य और तेल-गैस संकट वाली बात से जोड़कर देखा जाना चाहिए, जिसकी विकासशील देशों को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। ऐसे में भारत की भूमिका क्या होनी चाहिए? यह है बड़ा सवाल।

क्या भारत इस मामले में शांति का कहीं बड़ा पैरोकार साबित हो सकता है? दुनिया में किसी देश की कितनी सुनी जाती है, यह उसके आर्थिक रसूख से तय होता है। भारत दुनिया की 5वीं बड़ी इकॉनमी है और आने वाले कई वर्षों तक उसकी जीडीपी ग्रोथ अच्छी और टिकाऊ बनी रहेगी। इधर आईं रिपोर्ट्स में कहा गया है कि 2027 तक भारत दुनिया की चौथी और 2029 तक तीसरी बड़ी इकॉनमी होगा। इसके साथ यह बात भी याद रखनी चाहिए कि भारत ने अभी तक किसी देश पर हमला नहीं किया है। उसने हमेशा बचाव में युद्ध लड़े हैं। यानी एक बड़ी इकॉ नमी, जो अमन-पसंद हो, वह अगर शांति की बात करे तो उसकी बात सुनी जाएगी। साथ ही, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसका नेतृत्व करने वाले नरेंद्र मोदी लोकप्रियता के उस मुकाम पर हैं, जहां उनसे पहले पिछले कुछ दशकों में कोई दूसरा नेता नहीं पहुंच पाया। इससे भी दुनिया में उनकी बात का वजन बढ़ जाता है। मोदी की एक खूबी यह भी है कि वह भारत के रसूख का प्रभावशाली तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं। यूं भी भारत वसुधैव कुटुम्बकम की परंपरा पर चलता आया है, वह शांति का पैरोकार रहा है। भारतीय सभ्यता की खूबियों में शामिल हैं ये बातें, जिसे 20वीं सदी में महात्मा गांधी ने आगे बढ़ाया। इसलिए संभव है कि 21वीं सदी में भारत दुनिया के लिए फिर से शांतिदूत बन जाए।

हक के लिए बुलंद करें आवाज

विनीत नारायण

वर्ष 1789-90 में फ्रांस में जब लोग भूखे मर रहे थे तो वहां की रानी मैरी एटोनी का ध्यान लोगों की बदहाली की ओर दिलाया गया तो ऐशो-आराम में लिप्त रानी बोली इनके पास रोटी खाने को नहीं है, तो ये लोग केक क्यों नहीं खाते?

हर देश के हुक्मरान अपने देश की जनता को संबोधित करते हुए हमेशा बात तो करते हैं जनसेवा की, विकास की और अपने त्याग की, लेकिन वास्तव में उनका आचरण वही होता है जो फ्रांस में लुई सोलह और मैरी एटोनी कर रहे थे।

नेता जनता के दु:ख दर्द से बेखबर रहकर मौज-मस्ती का जीवन जीते हैं। इतना महंगा जीवन जीते हैं कि इनके एक दिन के खर्च से एक गांव हमेशा के लिए सुधर जाए, जबकि आज राजतंत्र नहीं लोकतंत्र है। पर लोकतंत्र में भी इनके ठाठ-बाट किसी शहंशाह से कम नहीं होते। हां, इसके अपवाद भी हैं। पर आज मीडिया से प्रचार करवाने का जमाना है। इसलिए बिल्कुल नाकारा, संवेदनाशून्य, चरित्रहीन और भ्रष्ट नेता को भी मीडिया द्वारा महान बता दिया जाता है। हम सब जानते हैं कि गाय के दूध की छाछ, नींबू की शकिंजी, संतरे, मोसंबी, बेल या फालसे का रस, लस्सी या ताजा गर्म दूध सेहत के लिए बहुत गुणकारी होता है। इनकी जगह जो आज देश में भारी मात्रा में बेचे और आम जनता द्वारा डट कर पिए जा रहे हैं, वो हैं रंग-बिरंगे कोल्ड ड्रिंक्स। इनमें ताकत के तत्व होना तो दूर शरीर को हानि पहुंचाने वाले रासायनिकों की भरमार होती है।

फिर भी अगर आप किसी को समझाओ कि भैया ये कोल्ड ड्रिंक्स न पियो, न पिलाओ, तो क्या वो आपकी बात मानेगा? कभी नहीं। क्योंकि विज्ञापन के मायाजाल ने उसका दिमाग कुंद कर दिया है। उसके सोचने, समझने और तर्क को स्वीकारने की शक्ति पंगु कर दी है। यही हाल नेताओं का भी होता है, जो मीडिया के मालिकों को मोटे फायदे पहुंचा कर, पत्रकारों को रेवड़ी बांट कर, दिन-रात अपना यशगान करवाते हैं। कुछ समय तक तो लोग भ्रम में पड़े रहते हैं, और उसी नेता का गुणगान करते हैं। पर जब इन्हें यह एहसास होता है कि उन्हें कोरे आश्वासनों और वादों के सिवाय कुछ नहीं मिला तो वे नींद से जागते हैं। पर तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। हालात बद से बदतर हो चुके होते हैं। फिर कोई नया मदारी आकर बंदर का खेल दिखाने लगता है और लोग उसकी तरफ आकर्षित हो जाते हैं। यह सिलसिला तब तक चलता है, जब तक सच्चा लोकतंत्र नहीं आता।

जब तक हर नागरिक और मीडिया अपने हुक्मरानों से कड़े सवाल पूछने शुरू नहीं करता, जब तक हर नागरिक मीडिया के प्रचार से हट कर अपने इर्द-गिर्द के हालात पर नजर नहीं डालता। विपक्षी दल सरकार को पूंजीपतियों का दलाल और जनता विरोधी बताते हैं पर सच्चाई क्या है? कौन-सा दल है जो पूंजीपतियों का दलाल नहीं है? कौन-सा दल है, जिसने सत्ता में आकर नागरिकों की आर्थिक प्रगति को अपनी प्राथमिकता माना हो? धन-धान्य से भरपूर भारत का मेहनतकश आम आदमी आज अपने दुर्भाग्य के कारण नहीं, बल्कि शासनतंत्र में लगातार चले आ रहे भ्रष्टाचार के कारण गरीब है। इन सब समस्याओं के मूल में है संवाद की कमी।

जब तक सत्ता और जनता के बीच संवाद नहीं होगा तब तक गंभीर समस्याओं को नहीं सुलझाया जा सकता। इसलिए लगता है कि अब वो समय आ गया है कि जब दलों की दलदल से बाहर निकल कर लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जाए, जिसके लिए हमें 600 ईपू भारतीय गणराज्यों से प्रेरणा लेनी होगी, जहां संवाद ही लोकतंत्र की सफलता की कुंजी था। देश के नेताओं के पास जब जनता को उपलब्धियों के नाम पर बताने को कुछ ठोस नहीं होता तो वे आए दिन रंग-बिरंगे नये-नये उत्सव या कार्यक्रम आयोजित करवा कर जनता का ध्यान बंटाते रहते हैं। इन कार्यक्रमों में गरीब देश की जनता का अरबों रुपया लगता है पर क्या इनके आयोजन से उसे भूख, बेरोजगारी और महंगाई से मुक्ति मिलती है? नहीं मिलती। उत्सव इंसान कब मनाता है, जब उसका पेट भरा हो। आज हमारे देश को ही लें। चारों ओर गंदगी का साम्राज्य बिखरा पड़ा है। करोड़ों देशवासी नारकीय स्थिति में, झुग्गी झोपड़ियों में, कीड़े-मकोड़ों की तरह जिंदगी जी रहे हैं। जब लोग मजबूर होते हैं, तो नौकरी की तलाश में अपने गांव छोड़कर शहरों में बसने चले आते हैं। इससे वो गांव तो उजड़ते ही हैं, शहर भी नारकीय बन जाते हैं।

संतान धर्म में राजा से अपेक्षा की गई है कि वो राजऋषि होगा। उसके चारों तरफ कितना ही वैभव क्यों न हो वो एक ऋषि की तरह त्याग और तपस्या का जीवन जिएगा। वो प्रजा को संतान की तरह पालेगा। खुद तकलीफ सहकर भी प्रजा को सुखी रखेगा। आज ऐसे कितने नेता आपकी नजर में हैं? मीडिया के प्रचार से बच कर अपने सीने पर हाथ रखकर अगर ठीक से सोचा जाए तो एक भी नेता ऐसा नहीं मिलेगा। 75 वर्ष के आजाद भारत के इतिहास में कितने नेता हुए हैं, जिनका जीवन लाल बहादुर शास्त्री जैसा सादा रहा हो? भगवान गीता में अर्जुन को उपदेश देते हुए कहते हैं कि महाजनों येन गता: स पंथ:। महापुरु ष जिस मार्ग पर चलते हैं, वो अनुकरणीय बन जाता है।

आज हमने नेताओं को ही महापुरु ष मान लिया है। इसलिए उनके आचरण की नकल सब कर रहे हैं। फिर कहां मिलेगा त्याग-तपस्या का उदाहरण। हर ओर भोग का तांडव चल रहा है। फिर चाहे पर्यावरण का तेजी से विनाश हो, बेरोजगारी व महंगाई चरम पर हो, शिक्षा के नाम पर वाट्सऐप विश्वविद्यालय चल रहे हों-तो देश तो बनेगा ही महान। जरूरत है कि हम सब जागें, मीडिया पर निर्भर रहना और विश्वास करना बंद करें। अपने चारों ओर देखें कि क्या खुशहाली आई है या नहीं? नहीं आई तो आवाज बुलंद करें। तब मिलेगा जनता को उसका हक और तब बनेगा भारत सोने की चिड़िया। केवल थोथे वादों और प्रचार पर भरोसा करना बंद करें और अपने दिल और दिमाग से पूछें कि क्या देख रहे हो? तब नेता भी सुधरेंगे और देश भी।

कितनी सफल होगी कांग्रेस की यात्रा

बलबीर पुंज

विगत सात सितंबर से कांग्रेस की महत्वाकांक्षी 150 दिवसीय 'भारत जोड़ो यात्रा' जारी है। इस पदयात्रा का नाम भले ही 'भारत जोड़ो' है, किंतु यह संकटग्रस्त कांग्रेस में जान फूंकने और पार्टी में गांधी परिवार के नियंत्रण को फिर से मजबूत करने का प्रयास है। देश ने 'राजनीतिक यात्राओं' के लाभ देखे हैं। जहां 1990 में भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी द्वारा निकाली गई 'राम रथयात्रा' से पार्टी कालांतर में दो से 182 लोकसभा सीटों तक पहुंच गई, वहीं 2018 में वाईएसआर कांग्रेस के अध्यक्ष जगन मोहन रेड्डी ने 'प्रजा संकल्प यात्रा' निकालकर आंध्र प्रदेश में सरकार बना ली। ऐसे कई उदाहरण हैं। परंतु क्या कांग्रेस अपनी इस पदयात्रा में सफल होगी? ऐसा संभव नहीं दिखता, क्योंकि जहां अन्य राजननीतिक यात्राओं में नेताओं की विचारधारा और यात्रा के घोषित उद्देश्यों में स्पष्ट साम्य था, वहीं कांग्रेस की इस यात्रा में इसका नितांत अभाव है।

पिछले दो दशकों से कांग्रेस और माता-पुत्र की जोड़ी को अलग करके नहीं देखा गया है, और बीते कई दशकों से पार्टी अपनी मूल विचारधारा से अलग है। बौद्धिक कमी पूरी करने और स्वयं को भाजपा से अलग दिखाने के लिए वह बार-बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ उन बयानों का जिक्र करती है, जिस पर वामपंथियों का एकाधिकार रहा है। कम्युनिस्ट प्रारंभ से संघ और समानार्थी विचारसमूह के अन्य संगठनों-व्यक्तियों के राष्ट्रवादी चरित्र और सनातन संस्कृति के प्रति कटिबद्ध होने के कारण उनसे घृणा करते हैं। केरल, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के वामपंथी शासन में विचारधारा के नाम पर दर्जनों भाजपा-संघ कार्यकर्ताओं की निर्मम हत्याइसका प्रमाण है। लगभग एक ही कालखंड (1925) में संगठनात्मक जीवन शुरू करने के बाद जहां संघ समाज में विस्तार कर रहा है, वही वामपंथी केवल केरल तक सिमट गए है।

यह विडंबना है कि जिस वामपंथ का वैचारिक अधिष्ठान विश्व में पहले ही दम तोड़ चुका है, उसकी घटिया कार्बन-कॉपी बनकर कांग्रेस देश में प्रासंगिक रहना चाहती है। कांग्रेस का घटता जनाधार उसकी इसी वैचारिक उलझन का प्रमाण है, जिसमें संघ के प्रति अपनी घृणा को मुखर रखने हेतु उसने 'जलती खाकी निक्कर' की तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की, किंतु 'भारत जोड़ो यात्रा' की शुरुआत प्रख्यात आरएसएस विचारक एकनाथ रनाडे के मौलिक विचार 'विवेकानंद स्मारक शिला' (कन्याकुमारी) में श्रद्धांजलि देकर की। भारतीय सनातन परंपरा के अनुरूप इसमें कोई बुराई नहीं, किंतु जिस वामपंथी केंचुली से कांग्रेस दशकों से जकड़ी हुई है, उसमें संघ-भाजपा और अन्य वैचारिक विरोधियों के प्रति केवल 'राजनीतिक अस्पृश्यता' का दर्शन है।

वास्तव में, संघ के प्रति वामपंथी दुराग्रह का अग्रिम चरण कांग्रेस नीत संप्रग काल (2004-14) में प्रारंभ हुआ। तब गोधरा कांड को 'हादसा' और श्रीराम को 'काल्पनिक' बताकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम और सुशील कुमार शिंदे ने केंद्रीय गृहमंत्री रहते हुए झूठा 'हिंदू/भगवा आतंकवाद' का सिद्धांत गढ़ा, तो राहुल गांधी ने इसके माध्यम से तत्कालीन अमेरिकी राजदूत के समक्ष देश में जिहादी खतरे को गौण कर दिया। इन सबमें दिग्विजय सिंह ने, जो वर्तमान कांग्रेसी पदयात्रा के प्रबंधकों में से एक हैं- वर्ष 2008 के 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले का आरोप संघ पर लगा दिया था। यदि तब आतंकी कसाब और डेविड हेडली पकड़े नहीं जाते, तो कांग्रेस पाकिस्तान को क्लीन-चिट देकर, लश्कर-ए-ताइबा जैसे आतंकी संगठनों को देश में और भयावह हमले करने की परोक्ष स्वीकृति दे चुकी होती।

इसी शृंखला में कांग्रेस ने 'सांप्रदायिक हिंसा रोकथाम विधेयक, 2011' संसद में प्रस्तुत किया, जो भाजपा के कड़े विरोध के बाद वापस लिया गया। इसका उद्देश्य हिंदुओं को अपने ही देश में दोयम दर्जे का नागरिक बनाना था। इस विधेयक का प्रारूप सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाली असांविधानिक 'राष्ट्रीय सलाहकार परिषद' ने तैयार किया था। इसके आलेखन-समिति में तब कई चर्च-इस्लाम प्रेरित संगठनों (विदेशी वित्तपोषित एनजीओ सहित) के प्रतिनिधियों के साथ तीस्ता सीतलवाड़- जिसने झूठे-मनगढ़ंत साक्ष्यों के आधार पर 2002 के गुजरात दंगा मामले में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया था- शामिल थी। इसी समिति का हिस्सा हर्ष मंदर भी थे, जो 'नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019' के विरोध में मजहबी प्रदर्शनकारियों को हिंसा हेतु उकसा रहे थे।

कांग्रेस की मौजूदा पदयात्रा के दौरान जब राहुल केरल के एक चर्च में विवादित ईसाई पादरी पोन्नैया से मिले, तो वह राहुल के सामने हिंदू देवी-देवताओं की मर्यादा को कलंकित करते नजर आए। यह कोई पहली घटना नहीं है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के लिए ए. के. एंटनी समिति ने पार्टी की हिंदू-विरोधी छवि को मुख्य कारण माना था। इसके परिमार्जन हेतु गांधी परिवार ने चुनाव के समय हिंदू मंदिरों-मठों का दौरा करना प्रारंभ किया। कितना विचित्र है कि अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान जिस केरल स्थित हिंदू शिवगिरी मठ में राहुल गए थे, उसी केरल में उनके युवा कार्यकर्ता पांच वर्ष पहले 'सेक्यूलरवाद' को सत्यापित करने के लिए हिंदुत्व का मजाक उड़ा रहे थे।

विरोधाभास देखिए कि जो राहुल गांधी वामपंथी मानसिकता के अनुरूप भारत को 'राष्ट्र नहीं, बल्कि राज्यों का संघ' कहते हैं और वर्ष 2016 के जेएनयू प्रकरण में नारा लगाने वाले गिरोह का हिस्सा रहे विशुद्ध कम्युनिस्ट कन्हैया कुमार को अपनी पार्टी कांग्रेस का हिस्सा बना चुके हैं, वही राहुल गांधी आज 'भारत जोड़ो' नाम से यात्रा निकाल रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में क्या कांग्रेस का पुनर्जीवन संभव है? वर्तमान परिदृश्य को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि जिस वामपंथी चिंतन ने कांग्रेस को इस हाल में पहुंचाया है, उससे मुक्त होने की इच्छाशक्ति पार्टी नेतृत्व में नहीं है।

जरूरी मदद में कहीं न हो कोई कटौती

आलोक जोशी

सरकार को देश में कितने लोगों को क्या-क्या मुफ्त देना चाहिए और कब तक देना चाहिए? और, जो चीजें बिल्कुल मुफ्त न दी जा सकें, उन्हें खरीदने के लिए सरकार की तरफ से किस तरह की मदद या सब्सिडी मिले, यह बहस देश-दुनिया के अर्थशा्त्रियों और राजनेताओं के बीच लंबे समय से चलती रही है। हालांकि, पहले अर्थशा्त्रियों ने ही सरकारों को यह रास्ता दिखाया था। मगर दुनिया के आर्थिक समीकरण बदलने के बाद, खासकर विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसे संगठनों की भूमिका प्रभावी होने के साथ यह स्थिति भी बदल गई।

कल्याणकारी राष्ट्र का मतलब यही होता है कि देश अपने तमाम नागरिकों के आर्थिक व सामाजिक हितों का ध्यान रखेगा और उनकी सुरक्षा का इंतजाम करेगा। यही नहीं, अवसरों की समानता, यानी सभी लोगों को बराबर मौके देना और देश में संपत्ति का उचित वितरण भी सरकार या राष्ट्र की अहम जिम्मेदारी है। यही वजह है कि ज्यादा कमाने वालों पर आयकर, व्यापार करने वालों पर एक्साइज ड्यूटी, सीमा शुल्क और बिक्री कर जैसे टैक्स लगाए गए। अब इनमें से ज्यादातर जीएसटी में शामिल हो चुके हैं। फिर भी, सरकार कमाने वालों पर आयकर और खर्च करने वालों पर जीएसटी लगाकर कमाई कर रही है।

पिछले वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष करों से हमारी सरकार की कुल आमदनी 16,34,454.95 करोड़ रुपये रही। चालू वित्त वर्ष में 8 सितंबर तक यह आंकड़ा 5.29 लाख करोड़ रुपये हो चुका है, जो पिछले साल के मुकाबले 30 फीसदी से भी ज्यादा बढ़ा है। वित्त वर्ष 2021-22 में प्रत्यक्ष कर की वसूली 49 प्रतिशत और अप्रत्यक्ष कर की वसूली 30 फीसदी बढ़ी है। दोनों को जोड़कर सरकार को इस साल 27.07 लाख करोड़ रुपये मिले। यह पिछले साल के मुकाबले रिकॉर्ड 34 प्रतिशत ज्यादा है, और बजट में जितनी कमाई का अनुमान था, उसके मुकाबले पूरे पांच लाख करोड़ रुपये ऊपर वसूली हुई। इसका मतलब यह हुआ कि सरकार के पास पैसे आने की रफ्तार बढ़ रही है। कंपनियों के तिमाही नतीजे और शेयर बाजार में उनके शेयरों के भाव देखें, तो यह उम्मीद करना गलत नहीं होगा कि जीएसटी और कॉरपोरेट टैक्स, यानी कंपनियों के आयकर के मोर्चे पर अभी सरकार की कमाई और बढ़ने के ही आसार दिख रहे हैं। इसी के साथ एक चीज और जोड़ लें। रसोई गैस के सिलिंडरों पर जो सब्सिडी मिला करती थी, अब ज्यादातर लोगों को नहीं मिल रही है। नतीजतन, 2017-18 में जहां इस पर सरकार का खर्च 37,000 करोड़ रुपये से ऊपर था, वह गिरकर पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में सिर्फ 242 करोड़ रुपये रह गया। ऐसे में, क्या वजह है कि गरीबों को मुफ्त अनाज देने की योजना आगे बढ़ाने के बजाय बंद करने का फैसला किया जाए? जिन लोगों को 2020 के लॉकडाउन के बाद से अनाज दिया जा रहा था, क्या वे इस हालत में आ चुके हैं कि उन्हें मदद की जरूरत नहीं रही? या फिर इस पर इतना खर्च हो रहा है कि सरकार बर्दाश्त नहीं कर पा रही है?

जुलाई में खाद्य मंत्रालय ने संसद में बताया कि 2020 में जब यह योजना शुरू हुई थी, तब से इस पर कुल खर्च 3.16 लाख करोड़ रुपये हुआ है। इस साल सितंबर तक योजना बढ़ाने के बाद यह आंकड़ा 3.4 लाख करोड़ रुपये हो जाता है। मोटे तौर पर एक तिमाही का खर्च 40 हजार करोड़ और साल का 1.6 लाख करोड़ रुपये होता है। पिछले अनेक चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत का श्रेय ऐसी योजनाओं और उनका लाभ पाने वाले लाभार्थियों को दिया गया है। फिर क्या हुआ कि सरकार कमाई बढ़ने और पैसा होने के बावजूद यह योजना रोकने का मन बना रही है?

कोरोना की मुसीबत से भारत काफी हद तक बाहर आ चुका है, और बड़ी कंपनियों या उद्योगों का हाल बताता है कि लॉकडाउन और मंदी की मार भी खत्म हो गई है। बड़े कारोबारियों में तो जश्न का माहौल दिख रहा है। शेयर बाजार में बहार का आलम तो यह रहा है कि गौतम अडानी शुक्रवार को कुछ समय के लिए दुनिया के दूसरे सबसे बड़े अमीर बन गए। अडानी की दौलत में इसी साल 60 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। लेकिन इसी वक्त यह आंकड़ा भी दिखाया जा रहा है कि साल 2017 के बाद से देश के बडेउद्योगपतियों के 10 लाख करोड़ रुपये के कर्ज एनपीए हो चुके हैं या डूब गए हैं।

इसके बरअक्स भारत में गरीबों की संख्या भी काफी तेजी से बढ़ी है। विश्व असमानता रिपोर्ट के अनुसार, भारत के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोग देश की कुल कमाई का 22 प्रतिशत हिस्सा अपने पास ले जा रहे हैं, जबकि नीचे के 50 प्रतिशत लोगों को सिर्फ 13 प्रतिशत मिल पाता है।

इसमें भी गरीबों की गिनती सबसे ज्यादा है। प्यू रिसर्च ने पिछले साल ही यह रिपोर्ट दी थी कि भारत में ऐसे लोगों की गिनती बेतहाशा बढ़ी है, जो एक दिन में 150 रुपये भी नहीं कमा पा रहे हैं। एक साल के भीतर ऐसे लोगों की गिनती में छह करोड़ की संख्या की बढ़ोतरी हुई और आंकड़ा 13 करोड़ के ऊपर पहुंच गया है। साल 1974 के बाद यह पहला मौका था, जब भारत में गरीबों की गिनती कम होने के बजाय बढ़ गई। आधुनिक अर्थशास्त्र में भी इस समस्या का एक हल है, और वह है मध्यवर्ग। किसी देश में मध्यवर्ग जितना बड़ा होगा, अमीरी-गरीबी की खाई उतनी ही कम होगी। मगर दिक्कत यह है कि कोरोना संकट के बाद मध्यवर्ग के भी बहुत से लोग गरीबी में पहुंच गए हैं।

ऐसे में, मुफ्त या रियायती दरों पर अनाज देने की योजना पूरी तरह कैसे बंद की जा सकती है? अर्थशास्त्री कोरोना के बाद आर्थिक बहाली को के शेख्ड रिकवरी बताते हैं, यानी कुछ लोगों की तरक्की तेज हो गई है, और बहुत से लोग पहले से भी बुरी हालत में पहुंच गए हैं। ऐसे में, जरूरी है कि जिनकी हालत बुरी है, उनकी मदद की जाए।

अब साधन मौजूद हैं, तो जरूरतमंदों की पहचान के तरीके निकाले जा सकते हैं। साफ है, जिसे राजनीतिक रेवड़ी कहा जाता है, उसमें और इन कल्याणकारी योजनाओं में फर्क करना जरूरी है। वरना अचानक यह कटौती न सिर्फ सरकार को, बल्कि समाज को भी महंगी पड़ सकती है।

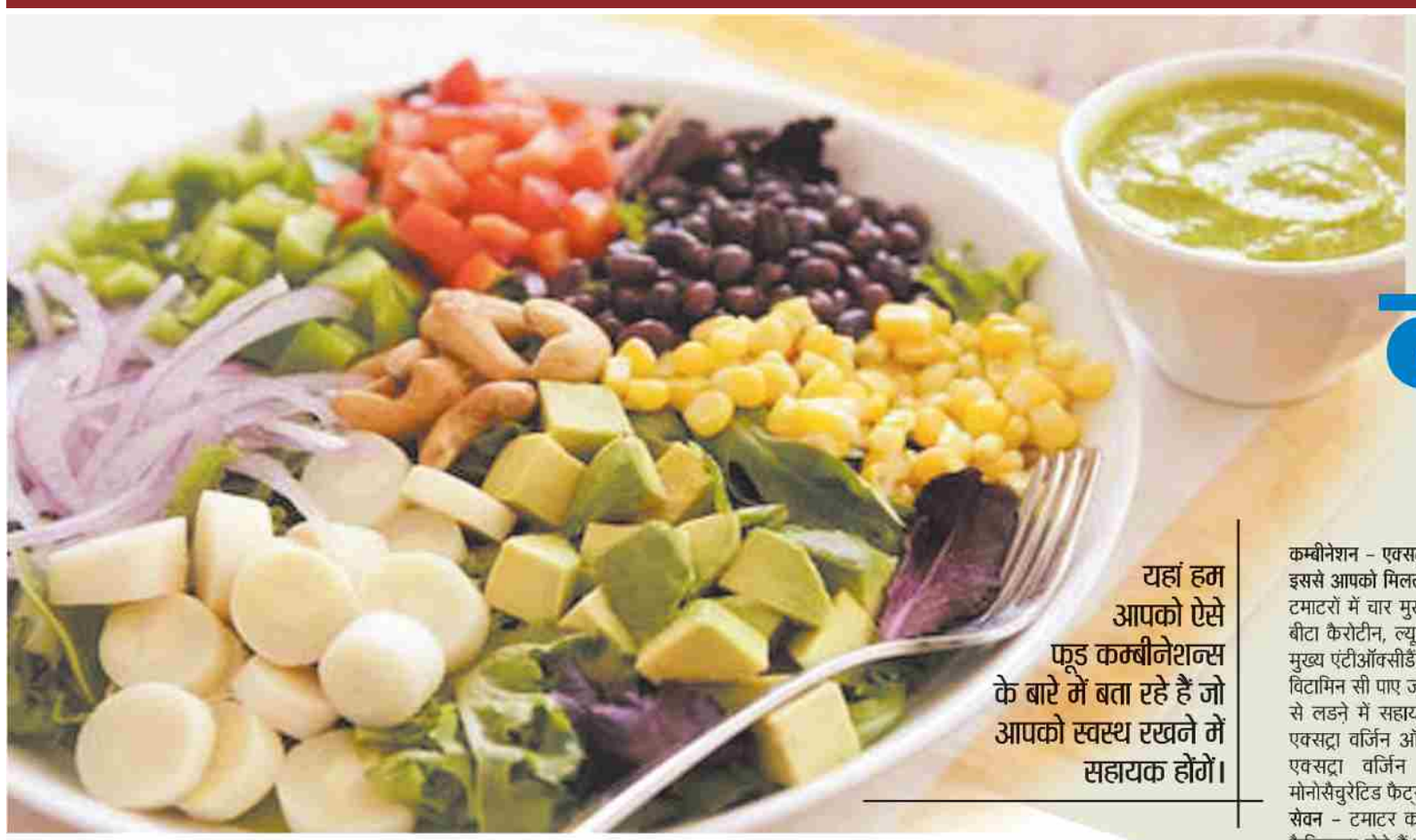

टॉप फूड कम्बीनेशन्स रखेंगे आपको स्वस्थ

यहां हम आपको ऐसे फूड कम्बीनेशन्स के बारे में बता रहे हैं जो आपको स्वस्थ रखने में सहायक होंगें।

कम्बीनेशन - एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल तथा टमाटर
इससे आपको मिलती है - रोगों से बढिया सुरक्षा
टमाटरों में चार मुख्य कैरोटीनोएड्स यानी अल्फा कैरोटीन, बीटा कैरोटीन, ल्यूटीन तथा लाइकोपीन के साथ-साथ तीन मुख्य एंटीऑक्सीडैंट्स यानी बीटा कैरोटीन, विटामिन ई तथा विटामिन सी पाए जाते हैं जो आपकी कैंसर तथा हृदय रोग से लडने में सहायता करते हैं। यह रक्षात्मक कैमिकल्स एक्सट्रा वर्जिन ऑयल के साथ लिए जाएं तो बढिया है। एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल में स्वास्थ्यवर्धक मोनोसैचुरेटिड फैट्स मौजूद होती हैं।
सेवन - टमाटर का छिलका न उतारें क्योंकि इसमें फाइटो कैमिकल्स होते हैं। एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल बहुत कम प्रसंस्कृत रूप होता है। इसलिए इसमें बहुत ही लाभदायक यौगिक मौजूद होते हैं। इसे ताप तथा रोशनी से दूर स्टोर करें।
कम्बीनेशन - हरी फूल गोभी तथा टमाटर
इससे आपको मिलती है - कैंसर से सुरक्षा।
हरी फूलगोभी तथा टमाटर में कैंसर से लडने वाले गुण मौजूद होते हैं परन्तु एक अध्ययन से पता चला है कि दोनों का कम्बीनेशन कैंसर से लडने में दोगुणा प्रभाव डालता है। विज्ञानियों ने शोध में पाया कि एक ही वक्त पर टमाटर तथा हरी फूल गोभी का सेवन करने से कैंसर युक्त प्रोस्टेट ट्यूमर्स के विकास की गति बहुत धीमी हो जाती है।
सेवन - डेढ कप हरी फूल गोभी का अढ़ाई कप ताजे टमाटरों के साथ पिकका या स्पाघेटी के साथ सेवन करें।
कम्बीनेशन - ग्रीन टी तथा नींबू
इससे आपको मिलता है - एक स्वस्थ हृदय।
ग्रीन टी शक्तिशाली एंटी ऑक्सीडैंट्स कैटेचिन्स का भरपूर स्रोत है जो हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए जाना जाता है। फिर भी अध्ययनों के अनुसार इन यौगिकों को सिर्फ 20 प्रतिशत ही मानवीय शरीर द्वारा जज्ब किया जाता है। ग्रीन टी में नींबू का रस मिलाने से पता चला है कि कैटेचिन्स का स्तर 80 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।
सेवन - ग्रीन टी तैयार करने के बाद इसमें एक पूरे नींबू का रस निचोड़ें और पीएं।
कम्बीनेशन- जौ का दलिया तथा स्ट्राबेरीका
इससे आपको मिलता है - एक स्वस्थ हृदय।
जौ में दो महत्वपूर्ण फाइटो कैमिकल्स ऐवेनैथ्रामाइड्स तथा फिनोलिक एसिड्स पाए जाते हैं जो विटामिन सी के साथ मिलकर बुरे कोलैस्ट्रॉल के हानिकारक प्रभावों को कम करते हैं और प्लाक के निर्माण को रोक कर हृदयाघात से आपकी रक्षा करते हैं।
सेवन - सुबह के समय एक कटोरी जौ के दलिए के साथ आधा कप कटी हुई स्ट्रॉबेरीका का सेवन करें।
कम्बीनेशन - दालचीनी तथा होलग्रेन टोस्ट
इससे आपको मिलता है - अतिरिक्त ऊर्जा तथा तेजी से वजन कम होना।
टोस्ट पर दालचीनी छिड़कने से ब्लड शूगर एक स्वस्थ स्तर तक रह सकती है जिससे आपकी ऊर्जा में आने वाली कमी रुकती है और साथ ही आपकी भूख का स्तर भी बाधित होता है। अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रीशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार दालचीनी भोजन के बाद पेट के खाली होने की दर को धीमा करती है और साथ ही ब्लड शूगर के स्तर को भी कम करती है।
ऐसे करें सेवन - होलग्रेन ब्रैड, ट्रांस फ्री मारग्रीन तथा एक चम्मच दालचीनी का सेवन करें।
कम्बीनेशन - लहसुन तथा प्याज
इससे आपको मिलती है - पूरे शरीर की सुरक्षा।
इन दोनों सब्जियों में बहुत सारे ऑर्गैनोसल्फर यौगिक तथा हृदय को स्वस्थ रखने वाले प्लांट कैमिकल्स पाए जाते हैं जो आपकी धमनियों को प्लाक से मुक्त रखते हैं। इन यौगिकों में से कुछ में शरीर में से कारसिनोजैन्स को डिटॉक्सीफाई करने की ताकत पाई गई है।
सेवन - अधिकतर भारतीय रसोइयों में लहसुन तथा प्याज का कम्बीनेशन आम देखने को मिलता है। फिर भी यदि आपका मूड कुछ और खाने का हो तो लहसुन तथा प्याज के कम्बीनेशन का सेवन सूप तथा सॉस के माध्यम से भी किया जा सकता है।
कम्बीनेशन - ग्रीन टी तथा काली मिर्च
इससे आपको मिलती है - अत्यधिक पतली कमर।
क्रैश डाइटिंग को भूल जाएं। अपने अगले भोजन में एक कप ग्रीन टी में थोड़ी-सी काली मिर्च मिलाकर पीएं। इस कम्बीनेशन से ई.जी.सी.जी. नामक एंटीऑक्सीडैंट की खपत में बढ़ौतरी होती है। यह एंटीआक्सीडैंट ग्रीन टी में कैलोरी बर्निंग के लिए जाना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रीन टी में मौजूद यौगिक हार्मोन्स को प्रभावित कर सकते हैं जो भूख तथा संतुष्टि को नियंत्रित करते हैं।
सेवन - अध्ययनों से पता चला है कि आधा छोटा चम्मच काली मिर्च से ग्रीन टी के लाभदायक यौगिकों की खपत में बढ़ौतरी हो सकती है।

कम्बीनेशन - अंडे तथा आम
इससे आपको मिलती है - कठोर त्वचा।
कठोर तथा अच्छी त्वचा पाने के लिए बहुत से उत्पादों की जरूरत नहीं है। आप सिर्फ कुछ अंडों तथा आमों का सेवन करें। अंडे एमीनो एसिड्स से भरपूर होते हैं जो त्वचा में कोलाजैन का निर्माण करने हेतु जरूरी होते हैं। आम में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है जो इन एसिड्स के साथ कोलाजैन के निर्माण को बढ़ाता है। यह कम्बीनेशन शरीर में से नष्ट हुए तत्वों को पुन- निर्मित करने में सहायक होता है जो महत्वपूर्ण ढंग से त्वचा की रंगत को सुधारते हैं।
सेवन - अपने अगले नाश्ते को और पोषक बनाने के लिए आमलेट के साथ एक कप ताजा आम की कतलियों का सेवन करें जिससे आपको पूरे दिन की विटामिन सी की आपूर्ति होगी।
कम्बीनेशन - लाल शिमला मिर्च तथा ब्लैक बीन्स
इससे आपको मिलती है - बढिया रोग प्रतिरोधक क्षमता।
सब्जी बाजार में ये बहुत अच्छे दिखते हैं और काफी महंगे भी होते हैं परन्तु इन्हें खरीदने का एक अच्छा कारण है। आप अपनी प्लेट में लाल शिमला मिर्च को शामिल करके रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाले प्लांट आयरन का सेवन अधिक करते हैं। ब्लैक बीन्स में मौजूद आयरन शरीर के लिए जज्ब करना थोड़ा कठिन है। फिर भी विटामिन सी से भरपूर लाल शिमला मिर्च आयरन को ऐसी किस्म में बदल देती है जो शरीर के लिए इस्तेमाल करना आसान होता है।
सेवन - ऑनलाइन आपको बहुत सारी रैसिपीज मिल जाएंगी जो ब्लैक बीन्स को लाल शिमला मिर्च के साथ मिक्स करके आपको एक स्वादिष्ट भोजन देंगी।

जब आपके घर हो किटी पार्टी

एक दिन पहले ही योजना बना लें

सारे काम समय पर और सही ढंग से हों, इसके लिए आपको एक दिन पहले ही योजनानुसार सारी सामग्री एकत्रित कर लेनी चाहिए और घर की साज-सजावट के अलावा पार्टी में खिलाने वाले गेम्स भी तैयार कर लें ताकि पार्टी वाले दिन इन छोटे-मोटे कामों को करने में समय बर्बाद ना हो।

ड्रेस तैयार करें

ऐसा ना हो कि पार्टी की तैयारी करते हुए आप अपनी ड्रेस के बारे में सोचना ही भूल जाएं। दूसरी महिलाओं के आगे आपकी चमक फीकी ना पड़ जाए। ऐसे में आप थीम के हिसाब से किटी के एक दिन पहले ही पहनने वाली ड्रेस तैयार कर लें।

खाने-पीने की चीजें पहले से बना कर रख लें

किटी पार्टी शुरू होने के बाद आप कम से कम समय किचन में बिताएं, इसके लिए जरूरी है कि पार्टी के लिए तैयार किए गए व्यजंनों को ऐसे बर्तनों में पहले से रख लें, जिसे माइक्रोवेव में गर्म किया जा सके।

गेम्स का भी हो मजा

किटी पार्टी में तंबोला के अलावा पेपर फोल्डिंग गेम्स के साथ-साथ हिंदी फिल्मी गानों पर गेम तैयार किए जा सकते हैं।

ऐसे हों आप तैयार

केले को अच्छे से मसलकर उसे 10 से 15 मिनट के लिए फ्रीजर में रख दें, इसके अलावा आलू काटते समय आलू के रस को अपने हाथों पर रगड़ लें। 15 मिनट बाद फ्रीजर में रखे हुए केले के पैक को पूरे चेहरे और गर्दन पर 10 मिनट के लिए लगा लें। 10 मिनट बाद चेहरे पर लगे पैक को ठंडे पानी से धो लें। किचन में खाना बनाते समय महिलाओं के हाथ पूरी तरह चिकनाई और हल्दी वाले हो जाते हैं। आलू का रस लगा लें। इससे हाथों की चिकनाई हटाने में मदद मिलती है।
सर्दी के मौसम में ब्लैक लेगिंग के साथ किसी भी गहरे रंग का लंबा स्वेटर और साथ में स्टोल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इन दिनों चेहरे पर हल्का मेकअप ही अच्छा लगता है। सीनियर ब्यूटीशियन मोनिका का कहना है कि 10 मिनट चेहरे पर लगाया गया केले का पैक डेड स्किन हटाने का काम करता है। पार्टी शुरू होने से पहले चेहरे पर माइस्चराइजर में हल्का फांउडेशन मिलाकर पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं । हल्का आईलाइनर का इस्तेमाल करते हुए हल्की रंग की लिपिस्टक लगाएं। नाखूनों पर भी हल्के रंग की नेल पॉलिश का इस्तेमाल करें।

पति का काम नहीं करेगा परेशान

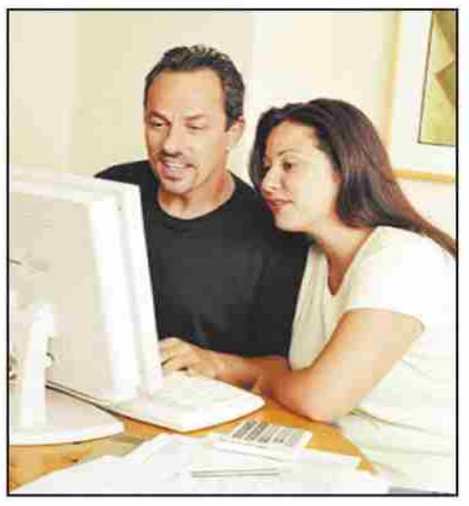

रत्नेश अपने करियर में ऊंचाइयों को महसूस करना चाहता है। उसकी पत्नी रुचि का भी यही हाल है, दोनों करियर को बहुत ज्यादा तवज्जो देते हैं। पर दोनों में एक बड़ा अंतर है। दरअसल रुचि काम ऑफिस तक सीमित रखती है, जबकि रत्नेश वर्कोहोलिक की श्रेणी में आते हैं। मतलब सिर्फ काम और काम। वह घर पर हों या ऑफिस में, बात सिर्फ काम की ही करते हैं। न पत्नी के लिए समय और न घर के दूसरे कामों के लिए। कुछ समय पहले इसकी वजह से रुचि खुद को इग्नोर महसूस करने लगी थी। उसको लगने लगा था कि बस, नाम के लिए हम लोग दोस्त और फिर पति-पत्नी बने। अक्सर झगड़े भी होने लगे। पर फिर रुचि ने खुश रहने के कुछ तरीके तलाशे। उसने महसूस किया कि गुस्सा दिखाने की बजाय पति को सपोर्ट करना शायद ज्यादा बेहतर होगा। हो सकता है रुचि का दर्द ही आपका दर्द भी हो। तो आइए जानते हैं उसने आगे और क्या-क्या हल निकाले जो आपके भी काम आ सकते हैं।

जानती हैं उनके काम का नेचर?

इस सवाल का जवाब अगर ना है तो जरा इसे हां में बदलने के बारे में सोचिए। जानिए, आखिर आपके पति के काम का नेचर है कैसा, जो उनको इतना व्यस्त रखता है। कहीं उन्हें ऑफिस में कोई दिक्कत तो नहीं है, कहीं उन पर ही ज्यादातर काम की जिम्मेदारी तो नहीं है। हो सकता है, ऑफिस में सबसे जानकार आपके पति ही हों और इसीलिए उन पर ही सारे काम का बोझ हो। हां, यह सबकुछ जानने के बाद एक काम और करना होगा। उनके सारे काम में लगने वाले समय को जरूर जोडिए। जानिए, इन कामों में आमतौर पर समय कितना लगता है क्योंकि हो सकता है पतिदेव उसी काम में समय ज्यादा लगाते हों। यह सब जानकर या तो आप समझ जाएंगी कि पति सही कारण से ही इतना व्यस्त रहते हैं या फिर आपको उनकी कमियां पता चलेंगी, जिन्हें सुधारने में आप उनकी मदद कर सकती हैं।

घर हो एक आरामदायक जगह

पति घर आएं तो आपके चेहरे पर गुस्से के चलते बारह बजे हों और घर भी अस्त-व्यस्त हो, तो स्थितियां सुधरेंगी नहीं, बल्कि और बिगड़ जाएंगी। ऐसे में जरूरी है कि आप घर का माहौल अच्छा रखें, ताकि जब पति काम की टेंशन से लौटें तो रिलैक्स महसूस कर सकें। खुद अच्छे से तैयार रहें और पति के खानपान और फिटनेस का ध्यान रखें।

आप संतुष्ट हैं?

हो सकता है साथ घूमने जाती सहेलियों को देखकर आपको महसूस होता हो कि 'अरे, बस मैं ही अकेली हूं।' पर जरा भावनाओं पर काबू कीजिए। सबकी जिंदगियां एक सी नहीं हो सकती हैं, सबकी अलग जिम्मेदारी और परिस्थितियां होती हैं और उन्हीं के हिसाब से लोग जिंदगी जीते हैं। इसलिए अकेलेपन वाली भावनाओं को मन में ही रखिए और पति को यह महसूस करवाइए कि आप हमेशा उनके साथ हैं। जब वो फुरसत में होंगे तो जरूर आपके अकेलेपन को महसूस करेंगे और सुधार की पूरी कोशिश करेंगे।

सुझाव तो दे सकती हैं

वो आपके जीवनसाथी हैं, आपने हर मुश्किल में साथ देने का वादा किया है तो उस वादे को निभाइए। वर्कोहोलिक होना उनकी आदत बन गई है, पर इससे वे शरीर और दिमाग दोनों से थक जाते हैं। यह वह समय है जब आपको अपने हिस्से का सपोर्ट दिखाना है। बैठकर पति से बात कीजिए, उनके मन की बातें जानिए, कोई दिक्कत है तो उन्हें सुझाव भी दीजिए।

खुश रहिए और खुश रखिए

जी हां, आप दोनों जितना भी वक्त साथ बिताते हैं उसे खास बनाइए। अपनी तरफ से तो आप इसकी कोशिश कर ही सकती हैं। दो घंटे मिलते हैं तो उसमें भी हंसी-मजाक की बातें, खुश करने के तरीके इन सबको आजमाइए। उन्हें बताइए कि हम दोनों जब साथ होते हैं तो खुश होते हैं। हम दोनों का साथ कितना कीमती और खास है। अपेक्षाओं को खत्म न सही पर कम तो करना ही होगा।

पति के पास काम के अलावा कोई काम नहीं है। उन्हें वर्कोहोलिक का तमगा मिला हुआ। पर यह तमगा आपको पसंद नहीं। हमेशा अकेली-अकेली रह रहकर आप थक चुकी हैं। कुछ पल जो साथ बिताते हैं, उनमें भी झगड़े होते हैं तो जरा इन पलों की कीमत समझिए और पति की मदद कीजिए। उन्हें समझिए और खुश रहिए।

काटे बाल, जलाए हिजाब, महसा अमिनी की मौत के बाद ईरान में महिलाओं का महा-प्रदर्शन

जिस वक्त 22 बरस की महसा अमिनी को सुपर्द-ए-खाक किया जा रहा था। उसी वक्त ईरान की महिलाएं हिजाब उतारकर महसा की हत्या पर विरोध जता रही थीं। ईरान के तेहरान में महसा अमिनी को हिजाब नहीं पहनने के जुर्म में इतना मारा की इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। ईरानी सरकार के इस तानाशाही के खिलाफ ईरान में बड़ी संख्या में महिलाओं ने बिना हिजाब के सड़कों पर प्रदर्शन किया और विरोध में हिजाब को आग के हवाले किया। तेहरान में महिलाओं के हिजाब के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए हिजाब को जला दिया। इसके साथ ही महिलाओं ने सिर के बाल भी काटे। ईरानी राष्ट्रपति ने महसा की मौत के जांच के आदेश दिए हैं। 22 साल की महसा अमिनी की मौत से ये महिलाएं गुस्से में हैं। महसा पश्चिमी ईरान में साकेज की रहने वाली थीं। वह परिवार से मिलने 13 सितंबर को तेहरान आई थीं। वह हिजाब के खिलाफ थी, इसलिए उन्होंने उसे नहीं पहना था। पुलिस ने महसा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के 3 दिन बाद 16 सितंबर को उनकी मौत हो गई। चश्मदीदों ने बताया कि गिरफ्तारी के वक्त महसा पूरी तरह ठीक थी। उन्हें पुलिस की गाड़ी में बेरहमी से पीटा गया। कुछ घंटे बाद परिवार को बताया गया कि महसा को दिल का दौड़ा आया और वो आईसीयू में है। ईरान की पुलिस ने पिटाई की बातों से इनकार किया। 1979 में इस्लामी क्रांति के बाद से महिलाओं को अपने सिर और गर्दन को ढकने और अपने बालों को छुपाने के लिए कानून द्वारा बाध्य किया गया है। हालांकि, पिछले दो दशकों में, तेहरान और ईरान के अन्य प्रमुख शहरों में अधिक से अधिक महिलाएं विरोध के रूप में अपने बालों को अपने नकाब के बाहर रख रही हैं। हाल ही में, कुछ महिलाएं ऐसी तस्वीरें साझा कर रही हैं जो उन्हें हिजाब नियमों के विरोध में सिर पर स्कार्फ़ उतारती दिख रही हैं।

क्वीन एलिजाबेथ की अंतिम विदाई, 125 सिनेमा हॉल में लाइव प्रसारण

यूनाइटेड किंगडम की सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाली महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के ताबूत को सोमवार को उनके राजकीय अंतिम संस्कार के लिए लंदन के वेस्टमिंस्टर एबे ले जाया गया। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का 8 सितंबर को स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल में निधन हो गया। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार के लिए कई देशों के राजनीतिक प्रमुखों से लेकर शाही परिवार के अलग-अलग सदस्यों और दुनिया भर के गणमान्य लोग ब्रिटेन पहुंचे। 1965 में विंस्टन चर्चिल के बाद ब्रिटेन में महारानी का अंतिम संस्कार पहला राजकीय अंतिम संस्कार है। राजकीय अंतिम संस्कार का अर्थ है कि यूके सरकार ने आधिकारिक तौर पर अंतिम संस्कार के दिन को बैंक अवकाश घोषित कर दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 17 सितंबर को महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए लंदन पहुंचीं और भारत सरकार की ओर से संवेदना व्यक्त की। लंदन में महारानी एलिजाबेथ II को अंतिम विदाई देने के लिए पूरा ब्रिटेन उमड़ पड़ा है। यहां आम जिंदगी पूरी तरह से थम गई है। पार्लियामेंट क्वायर से विक्टोरिया स्ट्रीट तक जहां तक देखों वहां लोग नजर आ रहे हैं। ब्रिटेन के लोग सबसे ज्यादा शासन करने वाली महारानी की आखिरी झलक पाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। वहीं, दुनियाभर से 2000 वीवीआईपी महारानी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे हैं। देशभर के 125 सिनेमा हॉल में महारानी के अंतिम संस्कार का लाइव प्रसारण किया जाएगा। क्या मैं आपके लिए कुछ भी कर सकता हूँ? आपको क्या चाहिए?' और फिर भी, 'सुनिश्चित करें कि आप वही करते हैं जो आप करने वाले हैं,' बिडेन ने कहा कि उसने उसे उसकी माँ की याद दिला दी।

अब न्यूयॉर्क शहर हो जाता है रात 10 बजे तक बंद

न्यूयॉर्क ।कोरोना महामारी और आर्थिक संकट के चलते न्यूयॉर्क शहर में रात 10 बजे के बाद सन्नाटा छा जाता है।कभी 24 घंटे वाले चलने वाले इस शहर की रौनक अब खत्म हो गई है।न्यूयॉर्क शहर 10 बजे रात के बाद जागता था।सारी रात यहां पर गहमागहमी रहती थी।रेस्टोरेंट्स,बार, नाइटक्लब, पूल, गेम्स, कैफ़िटेरिया, और जिम रात में जल्द बंद होने लगे हैं।पहले यह रात तक खुले रहते थे।रात में चलने वाली ट्रेनों में भी यात्रियों की संख्या पहले जैसे नहीं रही। कोरोना महामारी के बाद न्यूयॉर्क शहर को जैसे किसी की नजर लग गई हो। कोरोना वायरस से निजात पाई,तो आर्थिक मंदी और बेरोजगारी ने घेर लिया, न्यूयॉर्क में देर रात लूटपाट की घटनाएं और नशे में चूर नशेड़ियों के कारण अब न्यूयॉर्क शहर की रात की रौनक एक तरह से खत्म हो गई है।रात की शिफ्ट में बेरोजगार होने के बाद भी कर्मचारी काम नहीं करना चाहते हैं।

नेपाल सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस घर में नजरबंद

काठमांडू । नेपाल सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शैलेंद्र शमशेर राणा,घर में नजरबंद कर दिए गए हैं।उनके घर के सामने बड़ी मात्रा में पुलिस तैनात कर दी गई है।सुप्रीम कोर्ट नहीं जाने दिया गया। 13 फरवरी को नेपाली कांग्रेस, नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी, यूनिफाइड सोशलिस्ट पार्टी के 98 सांसदों ने मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाए थे।महाभियोग में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार और सरकार में हिस्सेदारी सहित 21 आरोप लगाए गए थे।फरवरी माह में उन्हें निलंबित कर दिया गया था। महाभियोग प्रस्ताव संसद में पारित नहीं हो पाया, और सरकार का आखरी संसद सत्र भी समाप्त हो गया।नवंबर में संसद के चुनाव होना है।उसके बाद मुख्य न्यायाधीश अपनी ड्यूटी ज्वाइन करने सुप्रीम कोर्ट जाने वाले थे।इसी बीच उन्हें घर में नजरबंद कर दिया गया।उनके घर पर कड़ा पहरा लगा दिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने सरकार की इस कार्यवाही को गैर जिम्मेदाराना रवैया बताया है।उन्होंने कहा संसद में महाभियोग प्रस्ताव पारित नहीं हुआ है।अत : उन्हें काम करने से रोका नहीं जाना चाहिए।नेपाल सरकार का न्यायपालिका में बढ़ता दखल नेपाल में चर्चाओं में बना हुआ है।इसका असर आगामी चुनाव में भी देखने को मिल सकता है।

यूक्रेन में रूस के सीमावर्ती क्षेत्रों में अब भी पड़े हैं सैकड़ों शव

मास्को (। यूक्रेन-रूस जंग के चलते 6 महीने से ज्यादा हो गया है पर युद्ध अभी जारी है। ऐसे में रूस के कब्जे वाले सीमावर्ती इलाके में इस महीने यूक्रेनी बलों ने एक बड़ी जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद युद्ध क्षेत्र पर, खेतों में और जले हुए टैंकों में अब भी शव पड़े हुए हैं। यूक्रेन के पश्चिमोत्तर हिस्से पर रूस के कई महीनों के कब्जे के बाद, रूसी सेना को वापस सीमा पार धकेल दिया गया, लेकिन रूस की ओर से इस इलाके में अब गोलाबारी जारी है। गोलाबारी के बावजूद जवानों का एक समूह ऊबड़-खाबड़ एवं कीचड़ से भरे मार्ग से उस क्षेत्र पर जाने में सफल रहा, जहां यूक्रेनी बलों के शव पड़े हैं। इन शवों का पता ड्रोन के जरिए चला था। दोनों पक्षों के जवानों एवं आम नागरिकों के शवों की तलाश कर रहे 'नेशनल गार्ड' के कमांडर विताली ने कहा, 'यह जोखिम भरा काम है। हम अपनी जान जोखिम में डालते हैं क्योंकि किसी भी समय रूस की ओर से गोलेबारी हो सकती है।' सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए कमांडर ने अपना पूरा नाम नहीं बताया। शवों की तलाश कर रहे दल घटनास्थल का दस्तावेजीकरण कर रहे हैं और शवों के अवशेषों को एकत्र कर रहे हैं।
विताली ने बताया कि इन शवों का पोस्टमार्टम किया जाएगा, घटनास्थल की विस्तृत जानकारी रिकॉर्ड करके जांचकर्ताओं को भेजी जाएगी, जो संभावित युद्ध अपराधों की जांच करेंगे। रूसी सीमा से दो किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित कोंजाचा लोपान गांव को यूक्रेनी बलों ने 11 सितंबर को फिर से अपने कब्जे में ले लिया। विताली ने कहा कि अधिकारियों के अनुसार, यहां एक अस्थायी जेल थी, जहां कैदियों के साथ दुर्व्यवहार किया गया था और उनका दल इसके संभावित पीड़ितों की कब्रों की भी तलाश कर रहा है। अस्थायी जेल में कैदियों के साथ रूसी बलों द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने के आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। जहां से रूसी बलों को खदेड़ा गया है, वहां कुछ कब्रें मिली हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि खासकर इजियुम में शहर के क्रबिस्तान के निकट 440 से अधिक कब्र मिली हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि इन क्रबों में सैनिकों के अलावा आम नागरिकों एवं बच्चों के शव हैं, जिन पर उनका उत्पीड़न किए जाने के निशान हैं। भीषण युद्ध का गवाह बने इस सीमावर्ती क्षेत्र के गांवों में युद्ध के विनाशकारी निशान दिखाई देते हैं, घरों पर बमबारी किए जाने और उन्हें जलाए जाने के निशान हैं, मोर्टार के गोलों के कारण सड़कों पर गड्ढे हो गए हैं, सड़क के किनारे टूटी कारें पड़ी हैं। रूसी बलों को खदेड़े जाने के कुछ दिन बाद स्थानीय लोग यह देखने के लिए लौट गए हैं कि उनके घरों में क्या बचा है।

पाकिस्तान के हैदराबाद में आई बाढ़ से प्रभावितों के लिए बने अस्थायी शिविर।

पाकिस्तान में आई बाढ़ से फैल सकती हैं जल जनित बीमारियां : गेब्रेयेसस

इस्लामाबाद। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने विनाशकारी बाढ़ के मद्देनजर पाकिस्तान में जलजनित बीमारियों के फैलने की आशंका व्यक्त की है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस अधनोम गेब्रेयेसस ने अपने एक बयान में कहा है कि पाकिस्तान के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है, जिससे लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा और इससे हैजा और अन्य बीमारियां हो सकती हैं। डब्ल्यूएचओ ने पाकिस्तान के बाढ़ प्रभावित इलाकों और खासकर सिंध प्रांत के लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। टेड्रोस ने कहा कि ठहरा हुआ पानी मच्छरों के पनपने का कारण बन सकता है, जिससे मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियां फैल सकती हैं। पाकिस्तान में बाढ़ के चलते देश के लोग आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। बीते बुधवार को बाढ़ के संकट के बीच संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कोऑर्डिनेटर जूलियन हार्निस ने बुधवार को कहा था कि दक्षिण एशियाई देश को मिली 150 मिलियन डॉलर की विदेशी सहायता में से केवल 38.35 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि को सहायता में बदला गया है। बाढ़ से त्रस्त इस देश में मानवीय राहत की मांग बहुत अधिक है, लेकिन भ्रष्टाचार के कारण उचित धन जमीन तक नहीं पहुंच पा रहा है। इस बीच, जूलियन हार्निस ने कहा कि भारी धन मिलने के बावजूद पाकिस्तान के कई प्रांतों में स्वास्थ्य की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान में 160 मिलियन डॉलर की फ्लैश अपील पर्याप्त नहीं होगी। वह सरकार और अन्य भागीदारों के साथ चर्चा कर रहे हैं, इसके बाद फ्लैश अपील में संशोधन करेंगे। हार्निस ने कहा कि पाकिस्तान सरकार और संयुक्त राष्ट्र द्वारा संयुक्त रूप से शुरू की गई फ्लैश अपील वर्तमान में छह महीने के लिए है, और यह सिर्फ छह मिलियन लोगों के लिए पर्याप्त है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री समेत अन्य के खिलाफ 50 मामले जवाबदेही अदालतों ने एनएबी को भेजे

कीव (एजेंसी)।

पाकिस्तान की जवाबदेही अदालतों ने भ्रष्टाचार के कई आरोपों का सामना कर रहे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को बड़ी राहत देते हुए शहबाज समेत अन्य संदिग्धों के खिलाफ भ्रष्टाचार के 50 बड़े मामले राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो को लौटा दिए हैं। शहबाज, उनके बेटे और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री हमजा शहबाज, नेशनल असेंबली के अध्यक्ष राजा परवेज अशरफ और पूर्व प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी के खिलाफ भी जवाबदेही अदालतों ने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) को मामले वापस भेज दिए हैं।
'जियो न्यूज' ने बताया कि एनएबी कानूनों में संशोधन के अनुरूप राहत प्रदान की गई है। शहबाज और उनके बेटे हमजा के खिलाफ रमजान चीनी मिल का संदर्भ भी वापस भेजे गए मामलों में से है। फरवरी 2019 में, एनएबी ने शहबाज और उनके बेटे हमजा के खिलाफ भ्रष्टाचार का यह मामला दर्ज किया था। भ्रष्टाचार रोधी शीर्ष निकाय ने आरोप लगाया कि पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, शहबाज ने अपने अधिकार का दुरुपयोग किया और अपने बेटों के स्वामित्व वाली रमजान चीनी मिल के संबंध में अनियमितताएं कीं। एनएबी ने आरोप लगाया कि दोनों संदिग्धों ने ''धोखाधड़ी और बेईमानी से'' राष्ट्रीय खजाने को 21.3 करोड़ पाकिस्तानी रुपये (लगभग 948,565 डॉलर) का नुकसान पहुंचाया। इसी तरह, एक जवाबदेही अदालत ने नेशनल असेंबली के स्पीकर के खिलाफ छह रेंटल पावर प्लांट (आरपीपी) के मामले एनएबी को वापस भेज दिए। ब्यूरो ने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की सरकार के दौरान जल और बिजली मंत्री रहते हुए अशरफ ने इन परियोजनाओं के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया था। पीपीपी सांसद यूसुफ रजा गिलानी के खिलाफ यूनिवर्सल सर्विसेज फंड (यूएसएफ) का मामला भी वापस कर दिया गया। मामले में उन पर अवैध प्रचार अभियान में पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया था। एनएबी नियमों में संशोधन के बाद मोदरबा घोटाले और कंपनी धोखाधड़ी के मामलों को भी जवाबदेही अदालतों से वापस ले लिया गया है। संघीय सरकार के एक सूत्र ने शनिवार को खुलासा किया कि लगभग सभी ऐसे मामले प्रधानमंत्री शहबाज के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार से जुड़े लोगों से संबंधित हैं। सूत्र ने कहा कि यह संभावना नहीं है कि नए एनएबी प्रमुख भ्रष्टाचार के इन मामलों को भ्रष्टाचार रोधी संस्था जैसे अन्य मंचों पर भेजेंगे। नए एनएबी प्रमुख को शहबाज और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता राजा रियाज द्वारा नियुक्त किया गया था। सूत्र ने कहा, ''ऐसा प्रतीत होता है कि भ्रष्टाचार के ये संदर्भ बंद किए जा रहे हैं, क्योंकि एनएबी उन्हें कार्रवाई के लिए संबंधित कानूनी मंचों पर भेजने में कोई जल्दी नहीं दिखा रहा है। संपर्क करने पर एनएबी के प्रवक्ता नदीम खान ने कहा, ''ऐसे सभी मामलों का फैसला कानून के मुताबिक किया जाएगा।'' एनएबी, पंजाब के पूर्व निदेशक फारूक हमीद ने इससे पहले 'डॉन' अखबार से कहा कि सरकार के लिए बेहतर होता कि ब्यूरो को बदनाम करने के लिए इस तरह के कानून को पेश करने के बजाय इसे बंद कर दिया जाता। उन्होंने कहा, ''भ्रष्ट कुलीन वर्ग की जवाबदेही तय करना अब असंभव है। सरकार को एनएबी के लिए बजट में अरबों रुपये क्यों आवंटित करने चाहिए, जब उसने इस बात को सुनिश्चित करने के लिये कानून में बदलाव लाए हैं कि भ्रष्टाचारियों द्वारा लूटे गए अरबों रुपये वसूल नहीं किये जा सकें।'' अगस्त में, नेशनल असेंबली ने राष्ट्रीय जवाबदेही (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2022 पारित किया, जिसमें निजी लेन-देन को एनएबी के दायरे से बाहर करने का प्रयास किया गया। संशोधित विधेयक के तहत, एनएबी का आर्थिक क्षेत्राधिकार केवल बड़े घोटालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तय किया गया।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की राजकीय अंत्येष्टि से पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने श्रद्धांजलि दी

लंदन (एजेंसी)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लंदन के वेस्टमिंस्टर हॉल में ब्रिटेन की दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को भारत सरकार और भारत के लोगों की ओर से श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति भवन ने मुर्मू की एक वीडियो क्लिप के साथ ट्वीट किया, 'राष्ट्रपति ने दिवंगत महारानी को अपनी ओर से और भारत के लोगों की ओर से श्रद्धांजलि दी।' यह हॉल संसद भवन परिसर के अंदर स्थित है। राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार को वेस्टमिंस्टर एबे में एलिजाबेथ द्वितीय की राजकीय अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए लंदन में हैं। उन्होंने यहां रविवार को भारत सरकार की ओर से एक शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। लंदन के लैंकेस्टर हाउस में राष्ट्रपति मुर्मू के साथ कार्यवाहक उच्चायुक्त सुजीत घोष भी मौजूद थे। यहां पहुंच रहे विश्व के नेता महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए एक पुस्तिका पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। एलिजाबेथ द्वितीय का 96 वर्ष की आयु में आठ सितंबर को स्कॉटलैंड में निधन हो गया था। मुर्मू ने रविवार को वेस्टमिंस्टर हॉल में दिवंगत महारानी को श्रद्धांजलि दी, जहां एलिजाबेथ द्वितीय का पार्थिव शरीर रखा गया है। महारानी की सोमवार को राजकीय अंत्येष्टि की जाएगी। भारतीय राष्ट्राध्यक्ष शनिवार शाम लंदन पहुंचीं। महारानी की अंत्येष्टि में दुनियाभर के शाही परिवार के सदस्यों समेत विश्व के करीब 500 नेता शामिल होंगे। अंतिम संस्कार की रस्म वेस्टमिंस्टर एबे में की जाएगी, जहां करीब 2,000 लोगों के उपस्थित रहने की संभावना है। शोक कार्यक्रम स्थानीय समयानुसार सुबह पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होगा और एक घंटे बाद दो मिनट का मौन रखे जाने के साथ संपन्न हो जाएगा। राष्ट्रपति मुर्मू को रविवार शाम महाराजा चार्ल्स द्वितीय और क्वीन कॉन्सर्ट कैमिला द्वारा बकिंघम पैलेस में विश्व के नेताओं के लिए आयोजित एक स्वागत कार्यक्रम में भी आमंत्रित किया गया है। इस 'आधिकारिक राजकीय कार्यक्रम' में ब्रिटेन आ रहे सभी राष्ट्राध्यक्षों और आधिकारिक विदेशी अतिथियों के शामिल होने की संभावना है। ब्रिटेन के शाही परिवार के लिए 2009 से 2012 तक सेवा देने वाले जाकी कूपर का मानना है कि महारानी के भारत के साथ स्नेहपूर्ण संबंध थे और उन्होंने साम्राज्य से राष्ट्रमंडल तक के सफर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र भाग लेने न्यूयॉर्क पहुंचे विदेशमंत्री जयशंकर

न्यूयार्क (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र के लिए पहुंच गए हैं। इस यात्रा पर वह द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय बैठकों सहित 50 से अधिक आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज ने ट्वीट किया, संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र में भाग लेने के लिए यहां आए हमारे विदेश मंत्री जयशंकर का स्वागत करके खुशी हुई। वह इस सप्ताह के दौरान कई द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय बैठकों में भाग लेने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के इस सप्ताह शुरू हो रहे उच्च स्तरीय सत्र में भारत मुख्य रूप से आतंकवाद पर अंकुश, शांति रक्षा, जलवायु परिवर्तन रोकने संबंधी कार्यक्रम और कोविड-19 टीके का समान वितरण जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा।
वह अल्बानिया, माल्टा, मिस्र और इंडोनेशिया के अपने समकक्षों, संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र के अध्यक्ष साबा कोरोसी और कई अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकों के साथ अपनी यात्रा की शुरुआत करने वाले हैं। वह फ्रांस-भारत-संयुक्त अरब अमीरात त्रिपक्षीय बैठक में भी हिस्सा लेने वाले हैं। जयशंकर की 18 से 28 सितंबर की अमेरिकी यात्रा में संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के बाद वाशिंगटन डीसी की भी एक यात्रा शामिल होगी जबकि न्यूयॉर्क में वह संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात करने वाले हैं। वह जी20 और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें करने वाले हैं।

बाइडेन के बयान के बाद भड़का ड्रैगन, कहा- दुनिया में है केवल एक चीन और ताइवान उसका हिस्सा

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन ने ताइवान के मुद्दे को लेकर अमेरिका पर करारा हमला बोला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने एक नियमित मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि चीन राष्ट्र को अलग करने वाली गतिविधियों के जवाब में सभी आवश्यक उपाय करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। हम शांतिपूर्ण तरीके से ताइवान को शामिल करने की पूरी कोशिश करेंगे। इसके साथ ही माओ निंग ने साफ किया कि अलगाव के उद्देश्य से किसी भी गतिविधि को चीन बर्दाश्त नहीं करेंगा।
चीन ने अमेरिका से ताइवान से संबंधित मुद्दों को 'सावधानीपूर्वक और ठीक से' डील करने का आग्रह भी किया। इसके साथ ही माओ ने ताइवान की स्वतंत्रता के प्रयास के लिए अलगाववादी ताकतों को गलत संकेत नहीं भेजने की बात करते हुए कहा कि अमेरिका को चीन-अमेरिका संबंधों और ताइवान में शांति को गंभीर रूप से नुकसान नहीं पहुंचाने की चेतावनी भी दी। माओ ने कहा कि दुनिया में केवल एक चीन है, ताइवान चीन का हिस्सा है। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की सरकार चीन की एकमात्र वैध सरकार है।
बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा था कि यदि चीन ताइवान पर हमला करने की कोशिश करता है, तो अमेरिकी बल उसकी रक्षा करेंगे। चीन इस स्वशासित द्वीप पर अपना दावा करता है। समाचार चैनल 'सीबीएस न्यूज' पर प्रसारित '60 मिनट्स' कार्यक्रम के दौरान एक साक्षात्कार में बाइडन से पूछा गया कि ''यदि चीन ताइवान पर हमला करता है, तो क्या अमेरिकी बल, अमेरिकी पुरुष एवं महिलाएं उसकी रक्षा करेंगे।'' इसके जवाब में बाइडन ने ''हां'' कहा।

चीनी स्वास्थ्य विशेषज्ञों की 'विदेशियों को मत छुओ, मंकीपॉक्स हो जाएगा', टिप्पणी पर बवाल

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन के एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी की एक टिप्पणी पर बवाल कट गया है। अधिकारी ने स्थानीय नागरिकों को चेताते हुए मंकीपॉक्स से बचने के लिए विदेशियों और हाल ही में विदेश से लौटे नागरिकों के संपर्क में नहीं रहने को कहा है। उनकी इस टिप्पणी को नस्लवादी और भेदभावकारी बताते हुए सोशल मीडिया पर इसका काफी विरोध किया जा रहा है। चीन के चोंगक्विंग शहर में शुक्रवार को मंकीपॉक्स का पहला मामला सामने आया था। विदेश से आए इस शख्स को क्वारंटीन में रखा गया था लेकिन क्वारंटीन में रहते हुए उनके शरीर पर लाल चकत्ते नजर आने लगे। इसके बाद चीन के शीर्ष महामारी विशेषज्ञ वु जुनयो ने स्थानीय लोगों को मंकीपॉक्स से बचने के लिए विदेशियों और हाल ही में विदेश से लौटे नागरिकों के संपर्क में नहीं आने को लेकर चेतावनी दी है।
चाइनीज फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुख्य महामारी विशेषज्ञ वु ने कहा, संभावित मंकीपॉक्स संक्रमण से बचने के लिए विदेशियों और बीते तीन हफ्तों के भीतर विदेश से लौटे लोगों के संपर्क में नहीं आने की सलाह दी जाती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने लोगों से अजनबियों के भी संपर्क में नहीं रहने को कहा है। होटलों सहित सार्वजनिक शौचालयों में डिस्पोजेबल शौचालय सीट का इस्तेमाल करने को कहा है। चीन के कई इंटरनेट यूजर्स ने वु के इन सुझावों पर आपत्ति जताई है। कुछ यूजर्स ने इन्हें नस्लवादी और भेदभावकारी बताया है। चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वेबो पर एक यूजर ने कहा, यह कितना नस्लवादी है? ऐसे लोगों के बारे में क्या, जो लगभग दस सालों से चीन में रह रहे हैं। सीमाएं बंद होने की वजह से बीते तीन से चार सालों से हम हमारे परिवारों से नहीं मिले हैं।
एक अन्य यूजर ने कहा कि वु के सुझाव पूरी तरह से अनुपयुक्त हैं। उन्होंने कहा, हमारे कितने सारे विदेशी दोस्त हैं, जो चीन में काम करते हैं। महामारी की शुरुआत में कुछ विदेशी दोस्त ही थे, जिन्होंने सोशल मीडिया के जरिए सभी को बताया था कि चीन के लोग यह वायरस नहीं फैला रहे हैं। यूजर ने कहा कि जब विदेशी लोगों के साथ देश में भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है तो हम चीनी

लोगों को मूकदर्शक बनकर नहीं रहना है। एक अन्य यूजर ने कहा, क्या वह सेक्सुअल रिलेशनशिप का हवाला दे रहे हैं या सिर्फ त्वचा के संपर्क में आने से बचने का। मुझे लगता है कि वह सेक्शुअल रिलेशनशिप का हवाला दे रहे हैं। लेकिन विदेशी मेहमान से मिलने पर उनसे हाथ मिलाने से बचा नहीं जा सकता। बस में भी किसी की त्वचा के संपर्क में आने से बचना मुश्किल है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टी20 आज

मोहाली (एजेंसी)।

भारत क्रिकेट टीम मंगलवार से यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली तीन टी20 मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले में एशिया कप की गलतियों से उबरने का प्रयास करेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य अगले माह होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए इस सीरीज में मध्यक्रम से जुड़े मामले हल करना रहेगा। इस सीरीज में भारतीय टीम अपने सभी संभावित खिलाड़ियों को आजमाना चाहेगी। उसी को देखते हुए कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है पर अन्य खिलाड़ियों को अवसर दिया जा रहा है।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि विश्व कप में टीम पूरी ताकत से उतरेगी। साथ ही कहा कि इसके लिए टीम में लचीलापन होना चाहिये ताकि विकल्प उपलब्ध रहें। उसका अभ्यास इस सीरीज में भारतीय टीम करेगी।

भारत ने एशिया कप में अच्छी बल्लेबाजी की पर इसके बाद भी टीम कई अवसरों पर उम्मीद के अनुसार रन नहीं बना पायी। वहीं गेंदबाजी में भी टीम अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पायी। अब इन्हीं सभी के जवाब इस सीरीज में तलाशे जाएंगे। भारतीय टीम में इस सीरीज से मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ओर युवा गेंदबाज हर्षल पटेल की वापसी हो रही है। इससे भारतीय गेंदबाजी आक्रामण बेहतर होने की उम्मीदें हैं।

कप्तान रोहित ने कहा है कि विश्व कप में लोकेश राहुल ही सलामी जोड़ीदार के तौर पर उतरेंगे पर इस सीरीज में विराट कोहली को भी पारी शुरु करने का अवसर मिल सकता है। इसका कारण यह है कि रोहित उन्हें पारी की शुरुआत के लिए एक बेहतर विकल्प मानते हैं। इस सीरीज में विश्वकप के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज का भी फैसला होगा। भारतीय टीम ने दो खिलाड़ियों ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक का चयन किय है। अब अंतिम एकादश में किसे शामिल किया जाएगा यह देखना होगा। अनुमान है कि इन दोनो को ही इस सीरीज में अवसर मिलेगा और उसके आधार पर ही विश्वकप में जगह मिलेगी।

ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा के टीम में नहीं होने के कारण ऋषभको बायें हाथ का बल्लेबाज होने के कारण कार्तिक पर वरीयता मिलना तय माना जा रहा है। कार्तिक को एक अच्छा 'फिनिशर' माना जाता है पर एशिया कप में उन्हें बल्लेबाजी का अवसर बड़ी मुश्किल से मिला था। ऐसे में उन्हें इस सीरीज में अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिल सकता है। युवा खिलाड़ी दीपक हुड्डा ने एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन किया था और उन्हें भी इस सीरीज में खेलने का अवसर मिल सकता है। हुड्डा आक्रामक बल्लेबाज होने के साथ ही गेंदबाज के तौर पर भी इस्तेमाल किये जा सकते हैं।

जडेजा के बाहर होने के कारण इस सीरीज में शामिल अक्षर पटेल को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है ताकि वह अपनी लय हासिल कर सकें। अक्षर इस सीरीज से पहले फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर थे। उनके आने से भारतीय टीम को अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प मिल जाएगा। टीम के पास बुमराह, भुवनेश्वर

कुमार, हर्षल और हार्दिक जैसे तेज गेंदबाजों के अलावा अक्षर और युजवेंद्र चहल जैसे स्पिनर होंगे।

विश्वकप को देखते हुए भारतीय टीम ऑस्ट्रेलियाई हालातों का ध्यान रखते हुए टीम संयोजन तैयार करेगी।

वहीं दूसरी ओर मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर और कुछ अन्य प्रमुख खिलाड़ियों के बिना ही भारत आयी है। वार्नर को विश्व कप को ध्यान में रखते हुए आराम दिया गया है। वहीं मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस और मिशेल मार्श चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। इस सीरीज में सभी का ध्यान कप्तान आरोन फिंच पर रहेगा जिन्होंने लगातार टी20 पर ध्यान देने के लिए एकदिवसीय को अलविदा कह दिया है। अब उनका लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर विश्व कप से पहले फॉर्म हासिल करना रहेगा। इसके अलावा सिंगापुर मूल के आक्रामक बल्लेबाज टिम डेविड के प्रदर्शन पर भी लोगों की नजरें रहेंगी। टिम इस सीरीज से ऑस्ट्रेलिया की ओर से उतरेंगे।

शिव थापा, लवलीना एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय मुक्केबाजी टीम में

इटावा (एजेंसी)।

अनुभवी शिव थापा और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन अगले महीने एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में क्रमशः भारतीय पुरूष और महिला टीम की चुनौती की अगुवाई करेंगी। जोर्डन के अम्मान में 30 अक्टूबर से 12 नवंबर होने वाली प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए चयन ट्रायल गुरुवार से शनिवार तक एनआईएस पटियाला में आयोजित किए गए थे। मौजूदा विश्व चैम्पियन निकहत जरीन, एशियाई चैम्पियनशिप के तीन बार के पदक विजेता अमित पंघाल और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता रोहित टोकस और सागर अहलावत ने ट्रायल में हिस्सा नहीं लिया।

भारतीय मुक्केबाज महासंघ (बीएफआई) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि जरीन को टूर्नामेंट से आराम दिया गया है जबकि पंघाल, टोकस और अहलावत चोटिल हैं। थापा एशियाई चैंपियनशिप के पांच बार के पदक विजेता हैं। उन्होंने इस शीर्ष प्रतियोगिता में अब तक एक स्वर्ण, दो रजत और इतने ही कांस्य पदक जीते हैं। पिछले टूर्नामेंट में उन्होंने रजत पदक के साथ लगातार पांचवां पदक जीता था और टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल भारतीय पुरुष मुक्केबाज बन गए। एशियाई चैंपियनशिप में पांच पदक जीतने वाले एकमात्र अन्य पुरुष मुक्केबाज कजाखस्तान के दिग्गज वेसिली लेविट हैं।

वह ओलंपिक रजत पदक विजेता और विश्व चैंपियनशिप के दो बार के कांस्य पदक विजेता भी हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के दो बार के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) पुरुष टीम में अन्य प्रमुख नाम हैं। दो बड़े टूर्नामेंट - विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं करने के बाद लवलीना खुद को साबित करना चाहेंगी। पिछले टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीतने वाली 24 साल की लवलीना 75 किग्रा भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी क्योंकि वह पेरिस ओलंपिक की तैयारी शुरू करेंगी जिसमें उनका वेल्टरवेट 69 किग्रा वर्ग नहीं होगा।

महिला टीम में विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (63 किग्रा) और युवा विश्व मुक्केबाजी चैंपियन अल्फिया पठान (81 किग्रा से अधिक) भी शामिल हैं। भारतीय दल के टूर्नामेंट से पहले 15 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के लिए अक्टूबर के मध्य में अम्मान के लिए रवाना होने की संभावना है। टीम इस प्रकार हैं:

पुरुष: गोविंद साहनी (48 किग्रा), स्पर्श कुमार (51 किग्रा), सचिन (54 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा), एताश खान (60 किग्रा), शिव थापा (63.5 किग्रा), अमित कुमार (67 किग्रा), सचिन (71 किग्रा), सुमित (75 किग्रा), लक्ष्य सी (80 किग्रा), कपिल पी (86 किग्रा), नवीन के (92 किग्रा), नरेंद्र (92 किग्रा से अधिक)।

महिला: मोनिका (48 किग्रा), सविता (50 किग्रा), मीनाक्षी (52 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), प्रीति (57 किग्रा), सिमरनजीत (60 किग्रा), परवीन (63 किग्रा), अंकुशिता बोरो (66 किग्रा), पूजा (70 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), स्वीटी (81 किग्रा), अल्फिया पठान (81 किग्रा से अधिक)।

टी-20 विश्वकप में स्काई ब्लू जर्सी में नजर आयेगी भारतीय टीम

पाक टीम की जर्सी बनी मजाक का कारण

मुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले माह होने वाले टी-20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए टीम की नई जर्सी लांच कर दी है। बीसीसीआई ने यह जर्सी कप्तान रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या, महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित अन्य स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी में लांच की। इस बार टीम की नई जर्सी का रंग स्काई ब्लू है। वहीं भारत के अलावा पाकिस्तान की भी नई जर्सी सामने आयी है हालांकि पाक क्रिकेट बार्ड (पीसीबी) ने अभी इसे आधिकारिक रुप से लांच नहीं किया है। सोशल मीडिया पर आयी पाक टीम की जर्सी मजाक का कारण बन गयी है।

सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम सहित अन्य खिलाड़ियों की नई टी-शर्ट में जो तस्वीरें सामने आयी हैं। उन्हें तरबूजे के आकार और रंग वाला बताकर प्रशंसकों ने जमकर हंसी उड़ायी है। इस जर्सी के साथ कप्तान बाबर आजम भी नजर आये हैं।

टीम इंडिया ने पहले वनडे में इंग्लैंड को 7 विकेट से दी मात, मंधाना रही प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला टीम और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत 18 सितम्बर से हो चुकी है। टी-20 सीरीज में हाथ धोने के बाद वनडे में हरमनप्रीत कौर एंड कंपनी ने शानदार प्रदर्शन किया और टीम ने 7 विकेट से पहले मुकाबले को जीतकर सीरीज पर 1-0 से बढ़त बना ली है।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने नतमस्तक दिखी। टीम इंडिया की तरफ से दिप्ती शर्मा ने 10 ओवरों में केवल 33 रन दिए और दो विकेट भी हासिल किए। इंग्लैंड ने इस टीम इंडिया को 228 रनों का लक्ष्य दे दिया।

स्मृति मंधाना ने खेली शानदार पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने 99 गेंदो में 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 91 रनों की अहम पारी खेली। हालांकि इस मैच में वह अपने शतक से 9 रनों से चूक गईं।

इसके अलावा यास्तिका भाटिया और कप्तान हरमनप्रीत कौर की अर्धशतकीय पारियों से टीम सीरीज पर बढ़त बनाने में कामयाब रही। हरमनप्रीत कौर ने 94 गेंदों में 7 चौकों और एक छक्का लगाकर 74 रनों की नाबाद पारी खेली।

दोनो टीमों के बीच सीरीज का दूसरा मुकाबला 21 सितम्बर को खेला जाएगा। यह मैच इंग्लैंड के लिए करो या मरो की स्थिति के समान होगा। यदि इंग्लैंड इस मैच में हार जाती है तो भारत का सीरीज पर कब्जा हो जाएगा।

बांग्लादेशी गेंदबाज रुबेल ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया

ढ़ाका । बांग्लादेश क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है हालांकि व सीमित ओवरों के मुकाबले खेलते रहेंगे। रुबेल ने काफी समय से अवसर नहीं मिलने के साथ ही युवा खिलाड़ियों के लिए जगह बनाने के कारण संन्यास का ये फैसला किया है। 32 साल के इस तेज गेंदबाज ने साल 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू करने के बाद से अब तक केवल 27 टेस्ट खेले हैं। उन्होंने टेस्ट में कुल 36 विकेट लिए हैं। इसमें 166 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। टेस्ट में रुबेल अधिक प्रभावी नहीं रहे है पर सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। . रुबेल ने 104 एकदिवसीय मैचों में 129 विकेट लिए है। वहीं टी20 में उनके नाम 28 विकेट हैं। रुबेल ने कहा कि युवाओं को मौका देने के लिए ही मैंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का फैसला किया है। रुबेल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप में बांग्लादेश टीम का हिस्सा नहीं हैं। टेस्ट क्रिकेट में हुसैन के खराब इकोनॉमी रेट को लेकर हमेशा ही सवाल उठे हैं। .

पैसे के कारण बीसीसीआई के खिलाफ नहीं बोलते लोग: हफीज

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज ने कहा है कि पैसे की ताकत के कारण आज विश्व क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का दबदबा बना हुआ है। हफीज के अनुसार इसी कारण कोई भी बीसीसीआई की आलोचना करने के लिए तैयार नहीं है। इससे पहले दिगगज ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट और श्रीलंका के अरविंद डीसिल्वा ने भी बीसीसीआई के एकाधिकार पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि इसके नकारात्मक प्रभाव पड़ेंगे। हफीज ने एक साक्षात्कार में कहा, क्रिकेट एक खूबसूरत खेल है और इसे खेलने वाले देश वास्तव में इस खेल में अच्छे हैं। उनके पास एक ऐसा स्वभाव है, जो प्रशंसकों का मनोरंजन करता है पर जब बीसीसीआई की बात आती है, तो हर कोई जानता है कि कई बार लोग यह सोचकर चुप रहते हैं कि वे इसकी आलोचना नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा कि अगर आलोचना सकारात्मक है तो आलोचना करने में कोई बुराई नहीं है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा पक्षपातपूर्ण राय और व्यक्तिगत होने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले किसी भी मंच के खिलाफ रहा हूं, लेकिन रचनात्मक आलोचना ठीक होनी चाहिए। कई बार लोग सोचते हैं कि उन्हें किसी सलाह की जरूरत नहीं है, लेकिन यह सही रवैया नहीं है। हफीज ने कहा कि बीसीसीआई की तारीफ इसलिए की जाती है, क्योंकि वह खेल में राजस्व लाता है। उन्होंने कहा, भारत के खिलाड़ी बड़े प्रोडक्ट्स हैं।वे जहां भी जाते हैं, उनके नाम का महत्व बढ़ जाता है पर यह भी सही है कि अन्य देशों के खिलाड़ी भी अच्छा कर रहे हैं और वे भी आपको प्रेरित करने के साथ ही रोमांचक पल देते हैं।

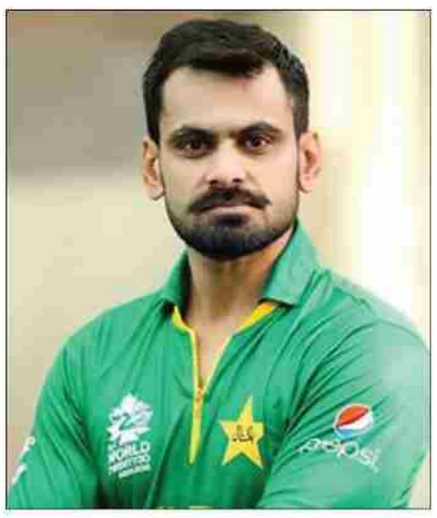

दक्षिण अफ्रीकी सीएसके निलामी में नहीं खरीदा जा सकता कोई भारतीय खिलाड़ी

जोहांसबर्ग (एजेंसी)।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसके) की नई टी20 लीग के लिए होने वाली नीलामी में किसी भी भारतीय खिलाड़ी को शामिल नहीं किया जाएगा।

इसका कारण है कि भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने संन्यास से पहले किसी भी खिलाड़ी को विदेशी लीग में खेलने की अनुमति नहीं दी है। सीएसके के सभी मालिक आईपीएल टीम से जुड़े हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स ने जोहानिसबर्ग टीम खरीदी है वहीं मुंबई इंडियंस ने केपटाउन, सनराइजर्स हैदराबाद ने ईस्टर्न कैप, लखनऊ सुपर जायंट्स को डरबन, राजस्थान रॉयल्स ने पार्ल और दिल्ली कैपिटल्स ने प्रिटोरिया टीम खरीदी है।

जिन टीमों के लिए बोली लगेगी उनके नाम एमआई केपटाउन, डरबन सुपर जायंट्स, जोहानिसबर्ग सुपरकिंग्स, पार्ल रॉयल्स, प्रिटोरिया कैपिटल्स और सनराइजर्स ईस्टर्न कैप है। इसकी नीलामी सूची में कुल 533 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। यह लीग अगले साल जनवरी-फरवरी में होगी। लीग के नियम के अनुसार, एक टीम में ज्यादा से ज्यादा 17 खिलाड़ी हो सकते हैं। इसमें 7 विदेशी और 10 दक्षिण अफ्रीका के होने चाहिए। वहीं अंतिम -11 में 4 विदेशी खेल सकते हैं। 533 खिलाड़ियों की नीलामी में 248 खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के हैं।

वहीं एक टीम 16 करोड़ तक की रकम खिलाड़ियों के खरीदने पर खर्च कर सकती हैं। ऑक्शन में सबसे अधिक आधार मूल्य 80 लाख रुपए रखा गया है। इस टूर्नामेंट में कुल 33 मुकाबले होने हैं। इसमें सभी टीमें एक-दूसरे से 2-2 बार खेलेंगी। इसके बाद नॉकआउट के मुकाबले होंगे।

रॉबिन उथप्पा ने बंगाल के राज्यपाल को घेरा, फोटो शूट के दौरान सुनील छेत्री को दिया था धक्का

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल के स्टार प्लेयर सुनील छेत्री 18 सितम्बर को अपनी टीम बेंगलुरु एफसी के लिए 2022 डूरंड कप का खिताब नाम करने में कामयाब रहे। इस बीच ट्रॉफी फोटो शूट के दौरान छेत्री को धक्का देने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, पूरा मामला ये था कि ट्रॉफी फोटोशूट के दौरान बंगाल के राज्यपाल ला गणेशन अय्यर ने छेत्री को पीछे हटाने की कोशिश की। इसके बाद गवर्नर को काफी आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ रहा है। वहीं, भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी रॉबिन उथप्पा ने भी राज्यपाल पर निशाना साधा है।

'यह हर तरह से गलत है'- रॉबिन उथप्पा

पूर्व क्रिकेटर ने ट्वीटर पर लिखा, 'यह हर तरह से गलत है!! क्षमा करें @chetrisunil11 आप इससे बहुत बेहतर के पात्र हैं!!' वहीं, क्रिकेट में कमेंट्री करने वाले आकाश चोपड़ा ने भी इस वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होने लिखा, 'यह शर्मनाक है।' इतना ही नहीं, कुछ लोगों की मांग है कि राज्यपाल ला गणेशन अय्यर को सुनील छेत्री से माफी मांगनी चाहिए।

राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान हमारी 'फिनिशिंग' अच्छी नहीं थी: नवनीत कौर

बेंगलरु। भारतीय महिला हॉकी टीम की फारवर्ड नवनीत कौर ने सोमवार को स्वीकार किया कि विश्व कप और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान उनकी टीम की 'फिनिशिंग' अच्छी नहीं थी और भविष्य की प्रतियोगिताओं में इस क्षेत्र में सुधार करना होगा। भारतीय टीम जुलाई में विश्व कप में क्वार्टर फाइनल में भी जगह नहीं बना पाई थी लेकिन उसने राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता। नवनीत ने कहा कि हम अपनी टीम के समन्वय में सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं। हम एक टीम के रूप में अपनी फिनिशिंग पर भी काम कर रहे हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र था जिसमें हमने विश्व कप और राष्ट्रमंडल खेलों में इस विभाग में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। उन्होंने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा कि एक टीम के रूप हमने इन क्षेत्रों की पहचान की है और हमने उन पर काम भी शुरू कर दिया है ताकि हम अगली प्रतियोगिताओं से पहले तैयार रहें।

सोशल मीडिया पर आलोचना के बाद विनेश फोगाट बोली, हम खिलाड़ी है रोबोट नहीं

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरने के बाद सोशल मीडिया पर हुई आलोचना को निराशाजनक करार देते हुए भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने कहा कि 'खिलाड़ी रोबोट नहीं होते है'। विनेश ने इसके साथ ही साथी खिलाड़ियों से मेहनत जारी रखने को कहा ताकि इस तरह की आलोचना की संस्कृति को खत्म किया जा सके।

विनेश ने बेलग्रेड में पिछले सप्ताह 53 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में दो पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह ऐसा करने वाली देश की पहली महिला पहलवान है। वह क्वालीफिकेशन दौर में मंगोलिया की खुलान बटखुयाग से जिस तरह से 0-7 की हारी उसकी सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई। उन्होंने हालांकि शानदार वापसी करते हुए रेपेचेज में दो दौर के बाद कांस्य पदक मुकाबले को बिना अंक गंवाए अपने नाम किया। यह 28 साल की खिलाड़ी हालांकि सोशल मीडिया पर हुई आलोचना से काफी आहत है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में लिखा, 'खिलाड़ी भी इंसान होते है। खिलाड़ी होने का यह मतलब नहीं कि हम किसी भी टूर्नामेंट में रोबोट की तरह काम करें। मुझे यह नहीं पता कि यह संस्कृति सिर्फ भारत में ही है या और जगह भी है। जहां लोग घर में बैठकर ही विशेषज्ञ बन जाते है।' उन्होंने लिखा, 'व्यक्ति पेशेवर हो या नहीं उसने अपने सफर में कई कठिनाइयों, संघर्षों और चुनौतियों का सामना किया होता है। वे टिप्पणी नहीं करते, आलोचना करते है। वह आलोचना करते समय खुद को पेशेवर करियर के विशेषज्ञ समझने लगते है।'

विनेश ने एथलीटों की लगातार आलोचना पर सवाल उठाते हुए कहा, 'हम एथलीट के रूप में हर चीज के लिए जवाबदेह क्यों हैं। एथलीटों को समर्थन और प्रोत्साहन के बजाय उसके प्रशिक्षण को लेकर टिप्पणियों का सामना क्यों करना पड़ता है।' उन्होंने कहा, 'यह बहुत हतोत्साहित करने वाला होता है जब लोग यह मान लेते हैं कि वे इस पर टिप्पणी कर सकते हैं कि एथलीटों को अपना करियर कब समाप्त करना चाहिए, कब खेलना चाहिए और कब नहीं खेलना चाहिए।' उन्होंने लिखा, '' एक जीत का मतलब हमेशा यह नहीं होता है कि एक एथलीट ने कुछ अतिरिक्त असाधारण किया है और हार का मतलब यह नहीं है कि एथलीट ने उस खेल के दौरान कोशिश नहीं की है। जीत और हार हर एथलीट की यात्रा का एक हिस्सा है और एथलीट हर बार कड़ी मेहनत करते हैं।'

विनेश कहा कि आलोचकों को खिलाड़ियों के प्रयासों और संसाधनों के बारे में कोई जानकारी नहीं होती है। उन्होंने कहा, 'इन चीजों पर टिप्पणी करना बहुत आसान है क्योंकि उनके लिए यह मैच देखने जीवन के सिर्फ एक दिन के बारे है। उन्हें इस बात का एहसास नहीं है कि उस समय खिलाड़ी की मानसिक स्थिति, खासकर मुश्किल समय में कैसी है।' उन्होंने कहा, 'सोशल मीडिया प्रशंसकों और समर्थकों से जुड़ने का शानदार मंच रहा है लेकिन अब इसका इस्तेमाल नकारात्मक आलोचनाओं को फैलाने के लिए हो रहा है।'

विनेश ने साथी भारतीय एथलीटों को सपने देखते रहने और कड़ी मेहनत करने के लिए कहा और उम्मीद जताई कि अनावश्यक आलोचना समाप्त हो जाएगी। उन्होंने लिखा, 'यहां मेरे सभी साथी

एथलीटों के लिए है, जो एक कठिन यात्रा के माध्यम से खुद को बार-बार साबित करते है और लोगों से डरे बिना अपने सपने के प्रति हौसला दिखाने का साहस रखते हैं'। उन्होंने कहा, 'मेरे प्रिय एथलीटों, हम सब एक ही जगह पर हैं और हमारी यात्रा एक जैसी है। उम्मीद है हम अपने निरंतर प्रयासों, साहस और समर्पण के साथ किसी दिन इस संस्कृति को बदलने की कोशिश करेंगे।'

कपिल देव लेकर आ रहे गोल्फ लीग, सेलिब्रिटी गोल्फर भी लेंगे हिस्सा, इतनी तारीख से होगी शुरू

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज कपिल देव ने सोमवार को ग्रांट थॉर्नटन भारत और भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) के साथ मिलकर 'कपिल देव-ग्रांट थॉर्नटन इन्विटेशनल' टूर्नामेंट के आयोजन की घोषणा की, जिसमें पेशेवर खिलाड़ियों के साथ गोल्फ के शौकिया, कॉरपोरेट और सेलिब्रिटी गोल्फर भी हिस्सा लेंगे। कपिल देव ने कहा कि मैं इस टूर्नामेंट को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं ग्रांट थॉर्नटन भारत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विशेष चंडियोक का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने भारत के गोल्फिंग इतिहास में एक ऐतिहासिक आयोजन शुरू किया। उन्होंने बताया कि 27-30 सितंबर 2022 तक आयोजित टूर्नामेंट गुरुग्राम के डीएलएफ गोल्फ और कंट्री क्लब के गैरी प्लेयर कोर्स में खेला जाने वाला पहला पूर्ण क्षेत्र पीजीटीआई कार्यक्रम होगा। टूर्नामेंट में कुल एक करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि के लिए 126 पेशेवर खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया- 'आरोपियों की मदद कर रहे संवैधानिक पदाधिकारी'

नई दिल्ली, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ में नागरिक अपूर्ति निगम (एनएएन) घोटाला मामले की जांच सीबीआई को स्थानांतरित करने और मुकदमे को राज्य से बाहर स्थानांतरित करने की मांग करते हुए सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि संवैधानिक पदाधिकारी दोषियों की मदद कर रहे थे।

ईडी का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश यू.यू. ललित ने कहा कि जांच से पता चला है कि हाईकोर्ट का एक न्यायाधीश संवैधानिक पदाधिकारियों के संपर्क में था जो आरोपियों की मदद कर रहे थे। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी, राकेश द्विवेदी और कपिल सिब्बल ने मामले में प्रतिवादियों का प्रतिनिधित्व किया। प्रतिवादी के एक वकील ने तर्क दिया कि यह घोटाला छत्तीसगढ़ में भाजपा के शासन के दौरान हुआ था।

मेहता ने कहा कि अन्य सह-आरोपियों के अनुसूचित अपराधों की गंभीरता को कम करने का प्रयास किया गया था और आरोपी ने गवाह को ईडी के समक्ष दिए गए बयानों को वापस लेने के लिए भी प्रभावित किया।

उन्होंने कहा कि व्हाट्सएप चैट ने आरोपी आईएएस अधिकारियों और संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के बीच संलिप्तता का खुलासा किया।

उन्होंने कहा, 'मेरे पास व्हाट्सएप चैट हैं। हमने नामों का खुलासा नहीं किया है ताकि सिस्टम से लोगों का विश्वास न डगमगाए।' उन्होंने कहा, 'क्या हमें संवैधानिक पदाधिकारी के संपर्क में व्यक्ति का खुलासा करना चाहिए?'

इस पर रोहतगी ने जवाब दिया, 'तो क्या? जज कानून से ऊपर नहीं हैं..'

सिब्बल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार को सीलबंद लिफाफे में दस्तावेज दाखिल करने दें। एक हस्तक्षेपकर्ता की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने मुकदमे के हस्तांतरण के लिए ईडी की दलील पर सहमति जताई।

दलीलें सुनने के बाद, शीर्ष अदालत ने छत्तीसगढ़ और अन्य पक्षों को सीलबंद लिफाफे में सामग्री दाखिल करने का निर्देश दिया और अगले सोमवार को सुनवाई के लिए निर्धारित किया।

ईडी ने घोटाले के सिलसिले में दो आईएएस अधिकारियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। एनएएन घोटाला 2015 में सामने आया था और इसमें शामिल लोगों पर कम गुणवत्ता वाले चावल, चना, नमक आदि की आपूर्ति करने का आरोप लगाया गया है।

ईडी ने छत्तीसगढ़ से मुकदमे को स्थानांतरित करने की मांग करते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी आरोपी के खिलाफ विधेय अपराध को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है।

बीजेपी का बस चले तो कभी भी सरकार गिरा दें : सीएम गहलोत

जयपुर, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने भाजपा वालों की राजस्थान में चलने नहीं दी वरना इनका बस चले, तो कभी भी उनकी सरकार गिरा दें। इसके साथ ही गहलोत ने कहा कि अब झारखंड में प्रयास (सरकार गिराने का) हो रहा है।

गहलोत ने विधानसभा परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा,मैं बार-बार कह रहा हूं कि भाजपा ने देश में खरीद-फरोख्त का नया मॉडल पेश किया है। राज्य सरकारें गिरा रहे हैं... पहले अरुणाचल प्रदेश, कनार्टक, फिर मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र अब इनकी दृष्टि कई जगह पर है ...झारखंड में भी प्रयास कर रहे है।''

भाजपा विधायकों ने विधानसभा सत्र का सत्रावसान किए बिना सदन की बैठक दुबारा बुलाए जाने पर आपत्ति जताते हुए सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी के कार्यालय में धरना दिया। गहलोत ने इस बारे में कहा कि ये (भाजपा विधायक) विधानसभा अध्यक्ष के कमरे में धरना दे रहे हैं, लेकिन इनसे पूछो कि ये नौबत क्यों आ रही है? विधानसभा (की बैठक) निरंतर क्यों रखी गई ..? उन्होंने कहा कि वे राज्य सरकारें गिरा रहे हैं जैसे कि पहले अरुणाचल प्रदेश और कनार्टक फिर मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र ... अब इनकी दृष्टि कई जगह पर है, झारखंड में भी प्रयास कर रहे हैं।

जुलाई 2020 में विधानसभा सत्र बुलाने के सरकार के प्रस्ताव को राज्यपाल कलराज मिश्र ने तीन बार लौटा दिया था। गहलोत ने कहा कि पिछली बार राज्यपाल महोदय को इन्होंने मजबूर कर दिया। उन्होंने कैबिनेट विधानसभा बुलाने के लिए आग्रह करती है तो राज्यपाल को विधानसभा बुलानी पड़ती है, तब राज्यपाल के खिलाफ इतने आलेख लिखे गए कि इतना इतिहास में कभी नहीं हुआ।

गहलोत ने कहा, हमने जानबूझकर विधानसभा की बैठक निरंतर रखी, हमने तो इनकी चलने नहीं दी वरना इनका बस चले तो ये तो कभी भी सरकार गिरा दें।'' गहलोत ने कहा कि विधानसभा की बैठक नरिंतर जारी रखने का नुकसान भी हमें हुआ, क्योंकि हम कई अध्यादेश लाते, लेकिन ला नहीं पाए, लेकि आज ये धरना देकर नाटक कर रहे हैं।

गोवंश में लंपी चर्म रोग को लेकर मुख्य विपक्षी दल भाजपा द्वारा सरकार को घेरे जाने पर गहलोत ने कहा कि उनकी सरकार की पहली प्राथमिकता है कि लम्पी चर्म रोग से गायों की जान कैसे बचे, लेकिन टीका और दवाएं भारत सरकार देगी। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में वह भारत सरकार से मांग कर रहे हैं कि इसको राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए।

राहुल गांधी ने ईंधन की बढ़ती कीमत, सब्सिडी में कटौती पर मछुआरों से की चर्चा

आलप्पुझा, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने अपनी पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा' के 12वें दिन की शुरुआत करने से पहले सोमवार तड़के यहां वडकल समुद्र तट पर मछुआरा समुदाय से बातचीत की। गांधी ने सुबह-सुबह मछुआरों से मुलाकात की और ईंधन के बढ़ते दामों, सब्सिडी में कटौती, कम होते मत्स्य भंडार तथा पर्यावरण को हो रहे नुकसान सहित विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने ट्वीट किया कि राहुल गांधी ने ईंधन की बढ़ती कीमतों, सब्सिडी में कटौती, कम होते मत्स्य भंडार, पेंशन न मिलने, शिक्षा के अपर्याप्त अवसरों और पर्यावरण को हो रहे नुकसान संबंधी चुनौतियों पर सुबह छह बजे आलप्पुझा के वडकल समुद्र तट पर मछुआरा समुदाय से बातचीत की। भारत जोड़ो यात्रा' सोमवार को पुन्नपरा से शुरू हुई और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन, के. सुरेश, रमेश चेन्नीथला, के. सी. वेणुगोपाल और केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी. डी. सतीशन भी गांधी के साथ पदयात्रा में मौजूद रहे। यह यात्रा करीब 16 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद कलावूर पहुंचेगी।

वहां से शाम करीब साढ़े 4 बजे फिर यात्रा शुरू की जाएगी और करीब नौ किलोमीटर के बाद चेरथला के समीप मयिथरा में रुकेगी। कांग्रेस की 3,570 किलोमीटर और 150 दिन लंबी पदयात्रा 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी, जो जम्मू-कश्मीर में सम्पन्न होगी। भारत जोड़ो यात्रा' 10 सितंबर की शाम को केरल पहुंची थी और यह 1 अक्टूबर को कर्नाटक पहुंचने से पहले 19 दिनों में केरल के 7 जिलों से गुजरते हुए 450 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

सोनिया से मिला निष्पक्ष चुनाव का भरोसा, अध्यक्ष की रेस में शामिल थरूर

नई दिल्ली, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के अनुमानों के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को सोनिया गांधी से मुलाकात की। इस दौरान सोनिया गांधी ने उनसे स्पष्ट कर दिया है कि यह पूरी तरह से जेनुइन चुनाव होंगे। जिस किसी को भी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ना है वह मैदान में उतर सकता है। सिर्फ इतना ही नहीं, कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि इस दौरान पूरी तरह से पारदर्शिता और निष्पक्षता भी बरती जाएगी। माना जा रहा है कि इसके बाद थरूर कांग्रेस अध्यक्ष पद की रेस में उतरने को तैयार हैं।

गौरतलब है कि इससे कुछ दिन पहले ही थरूर ने अध्यक्ष पद के चुनाव में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर सवाल उठाए थे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक शशि थरूर से मुलाकात के दौरान सोनिया गांधी ने उन्हें आश्वस्त किया है कि चुनाव पूरी तरह से पारदर्शी और निष्पक्ष होंगे। माना जा रहा है सोनिया से आश्वासन मिलने के बाद थरूर कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। थरूर का पक्ष जानने के लिए संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई। इससे पहले कांग्रेस कह चुकी थी कि पार्टी अध्यक्ष पद के लिए कोई भी दावेदारी कर सकता है। हालांकि इसके लिए उसे कम से कम 10 डेलीगेट्स का समर्थन चाहिए होगा।

गौरतलब है कि पहले भी कई कांग्रेस सांसद अध्यक्ष की चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर चुके हैं। इसको लेकर पांच कांग्रेस सांसदों ने कांग्रेस के आंतरिक चुनाव पैनल के प्रमुख मधुसूदन मिस्त्री को पत्र लिखा था। इस पत्र में सभी मतदाताओं और कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने में समर्थ उम्मीदवारों को पीसीसी डेलीगेट्स की लिस्ट देने की मांग की गई थी। छह सितंबर को यह संयुक्त पत्र लोकसभा सांसद शशि थरूर, मनीष तिवारी, कार्ति चिदंबरम, प्रद्युत बोरडोलोई और अब्दुल खलीक ने लिखा था। इसमें पूछा गया था कि यह लिस्ट उपलब्ध कराई जाए, जिससे स्पष्ट हो सके कि उम्मीदवारों को नॉमिनेट करने और वोट देने के अधिकारी कौन हैं।

झूठ की 'शिरोमणि' स्मृति ईरानी, राहुल गांधी के बारे में झूठ फैलाने के लिए माफी मांगे : कांग्रेस

नई दिल्ली, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी पर 'भारत जोड़ो यात्रा' और राहुल गांधी को लेकर झूठ फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को माफी मांगनी चाहिए। पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने यह दावा भी किया कि भारत जोड़ो यात्रा' और राहुल गांधी को जनता से मिल रहे समर्थन से भारत तोड़ने की 'विचारधारा' वाली भाजपा घबरा गई है।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा के आईटी सेल की तरफ से रोजाना झूठ परोसा जा रहा है। पहले कंटेनर, फिर कपड़े को लेकर झूठ बोला गया। तरह-तरह के कपट किए जा रहे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पहले झूठ की 'शिरोमणि' स्मृति ईरानी ने कहा कि राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से यात्रा शुरू करते हुए स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा को नमन नहीं किया। उनका झूठ पकड़ा गया, लेकिन उन्होंने देश से माफी नहीं मांगी।

वल्लभ ने कहा कि इसके बाद झूठ शिरोमणि बालक आईटी सेल के प्रमुख (अमित मालवीय) ने कहा कि राहुल गांधी जी प्रेस से नहीं मिलते, जनसभाएं नहीं करते हैं। मगर राहुल गांधी जी हर दूसरे-तीसरे दिन प्रेसवार्ता भी कर रहे हैं और आम जन से मिल भी रहे हैं। उन्होंने भाजपा की तमिलनाडु इकाई के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख सीटीआर निर्मल कुमार के एक ट्वीट का हवाला देकर भी सत्तारूढ़ पार्टी पर निशाना साधा। इस ट्वीट में कुमार ने राहुल गांधी की एक तस्वीर कथित तौर पर साझा करके कुछ टिप्पणी की थी।

वल्लभ ने सवाल किया कि सी.टी.आर. निर्मल कुमार नामक जो व्यक्ति है, उसने घृणित ट्वीट दिल्ली से किसके इशारे पर किया? यह व्यक्ति अपने पद पर क्यों बना हुआ है? उसको कौन निर्देशित कर रहा था? कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि क्या नरेंद्र मोदी जी और भाजपा अध्यक्ष देश से माफी मांगेंगे? क्या नड्डा जी विश्वास दिलाएंगे कि नरेंद्र मोदी प्रेसवार्ता करेंगे? क्या झूठ शिरोमणि महिला स्मृति ईरानी अपने झूठ पर माफी मांगेंगी?

संजय राउत की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ी

मुंबई, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। पात्रा चॉल भूमि घोटाला मामला में शिवसेना सांसद संजय राउत की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई है। कोर्ट के निर्देश के बाद प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने संजय राउत को चार्जशीट की कॉपी सौंप दी है। संजय राउत को 1 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। ने राउत के घर से 11.50 लाख रुपये घर से जब्त किए गए थे। बता दें कि मामले में संजय राउत के करीबी प्रवीन राउत की भी गिरफ्तारी हुई है।

संजय राउत ने विशेष पीएमएलए (धन शोधन निषेध कानून) अदालत में जमानत की अर्जी दी है। ने राउत के उस दावे को खारिज कर दिया कि उनकी गिरफ्तारी राजनीतिक बदले के रूप में की गई है। राउत की जमानत याचिका पर अगली सुनवाई अब बुधवार, 21 सितंबर को होगी। ईडी ने कहा कि आरोपी ने अपने प्रॉक्सी और करीबी सहयोगी प्रवीण राउत (सह-आरोपी) के जरिए अपराध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

चार्जशीट में लिखा है कि संजय राउत ने धन के लेन-देन से बचने के लिए पर्दे के पीछे से काम करते रहे। मालूम हो कि पात्रा चॉल पुन:विकास परियोजना में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही है। पात्रा चॉल 47 एकड़ से ज्यादा भूमि में फैला हुआ है और उसमें 672 किराएदार परिवार रहते थे।

कश्मीर में सरकार चला रही हिन्दुत्व का अजेंडा : महबूबा मफ्ती

श्रीनगर, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। पीडीपी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर हिन्दुत्व का आजेंडा चलाने का आरोप लगाया है। महबूबा मुफ्ती ने कुलगाम के एक सरकारी स्कूल का वीडियो शेयर किया जिसमें बच्चे 'रघुपति राघव राजा राम' भजन गा रहे थे। बताया जाता है कि यह भजन महात्मा गांधी को बहुत पसंद था।

ट्विटर पर पोस्ट लिखकर मुफ्ती ने कहा, धार्मिक गुरुओं को जेल में बंद करना, जामा मस्जिद पर ताला और स्कूल में बच्चों को हिंदू भजन सिखाना यही दिखाता है कि भारत सरकार कश्मीर में हिन्दुत्व का अजेंडा चला रही है। हम 'बदलते जम्मू-कश्मीर' की खामियाजा भुगत रहे हैं। बता दें कि महबूबा मुफ्ती ने 105 सेकंड का वीजियो शेयर किया है। यह दक्षिण कश्मीर के कुलगाम के एक स्कूल का वीडियो है।

इस वीडियो में पहले स्कूल का बोर्ड दिखाई देता है। इसके बाद क्लासरूम में लगभग दर्जनभर स्टूडेंट भजना गाते हुए दिखते हैं। वहीं शिक्षक सामने खड़े होकर भजन गवाते हैं। क्लास में कई छात्राएं भी दिखाई देती हैं जिन्होंने नकाब पहन रखा है। कुलगाम जिले के दमहाल हांजी पोरा के तहसीलदार अहमद लोन ने कहा कि उन्होंने भी सोशल मीडिया पर वीडियो देखा है।

हालांकि इस बारे में कोई भी औपचारिक शिकायत नहीं मिली है।

बता दें कि शुक्रवार को कश्मीर पुलिस ने दो मौलानाओं अब्दुल राशिद दाऊदी और मुश्ताक अहमद वीरी को पब्लिल सेफ्टी ऐक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। दाऊदी बरेलवी स्कॉलर हैं। वही वीरी पर भी पीएसए लगाया गया है। वह जमीयत अहले हदीस के धार्मिक नेता हैं।

पंजाब के सीएम को नशे में होने के चलते विमान से उतारा

चंडीगढ़, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जाने वाले लुफ्थांसा विमान से उतारा गया, क्योंकि नशे में होने के कारण वह चलने में असमर्थ थे।

मीडिया की खबरों के मुताबिक, मान 11-18 सितंबर तक की जर्मनी यात्रा पर थे। वापसी के दौरान कथित तौर पर वह 'नशे की हालत' में थे, इसलिए फ्रैंकफर्ट में उन्हें विमान से उतार दिया गया। इस घटना के कारण विमान को प्रस्थान करने में देरी हुई।

हालांकि, उनकी पार्टी, आम आदमी पार्टी (आप) ने अफवाहों का जोरदार खंडन करते हुए कहा कि मान को फ्रैंकफर्ट हवाईअड्डे पर नहीं उतारा गया था। पार्टी ने इसे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों द्वारा झूठा और तुच्छ प्रचार करार दिया।

एक संदेश में एक सह-यात्री ने कहा, 'मुख्यमंत्री अपने पैरों पर स्थिर नहीं थे, क्योंकि उन्होंने अत्यधिक शराब पी ली थी और उनकी पत्नी/सुरक्षाकर्मी उन्हें संभालने में लगे थे।'

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता मलविंदर सिंह कांग ने मीडिया से कहा, 'हमारे राजनीतिक विरोधी हमारे सीएम को बदनाम करने के लिए ये अफवाहें फैला रहे हैं। वे यह पचा नहीं पा रहे हैं कि सीएम मान पंजाब में निवेश पाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। सीएम तय कार्यक्रम के अनुसार लौटे।'

मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने दावा किया कि अचानक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण मुख्यमंत्री उड़ान में नहीं चढ़ सके। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने सोमवार को कहा, 'मुख्यमंत्री को नशे में होने के कारण लुफ्थांसा विमान से उतारे जाने की खबरों से दुनियाभर के पंजाबियों को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है।'

बादल ने ट्विटर पर एक पोस्ट में कहा, 'सह-यात्रियों के हवाले से मीडिया में आई परेशान करने वाली खबरों में कहा गया है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को लुफ्थांसा की उड़ान से इसलिए उतारा गया, क्योंकि वह चलने के लिए बहुत नशे में थे और इससे उड़ान में 4 घंटे की देरी हुई और वह आप के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने से चूक गए। इस खबर ने दुनियाभर में पंजाबियों को शर्मिंदा किया है।'

उन्होंने यह भी कहा कि अरविंद केजरीवाल को इस मुद्दे पर सफाई देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर मान को फ्रैंकफर्ट में उतारा गया था तो भारत सरकार को अपने जर्मन समकक्ष के समक्ष इस मुद्दे को उठाना चाहिए।

बादल ने ट्वीट किया, 'मुख्यमंत्री भगवंत मान से जुड़ी खबरों पर पंजाब सरकार की चुप्पी हैरान करने वाली है। अरविंद केजरीवाल को इस मुद्दे पर सफाई देने की जरूरत है। भारत सरकार को भी कदम उठाना चाहिए, क्योंकि इसमें पंजाबी और राष्ट्रीय गौरव शामिल है। अगर उन्हें विमान से उतारा गया था, तो भारत सरकार को अपने जर्मन समकक्ष के समक्ष यह मुद्दा उठाना चाहिए।'

आप के मीडिया संचार निदेशक चंद्र सुता डोगरा ने अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि मान की तबीयत थोड़ी खराब हो गई थी, इसलिए वह विमान से उतर गए।

सिखो की पगड़ी कर तरह हिजाब भी अहम, अधिकार नहीं छीन सकते; एससी में बोले वकील

नई दिल्ली, 19 सितम्बर (एजेन्सी)। कर्नाटक के एक कॉलेज से शुरू हुआ हिजाब मामला अब सुप्रीम कोर्ट में है और लगातार सुनवाई चल रही है। सातवें दिन की सुनवाई में याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए सीनियर वकील दुष्यंत दवे ने हिजाब को सही ठहराने के लिए कई तर्क रखे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से सिखों लिए पगड़ी अहम है उसी तरह मुस्लिम महिलाओं के लिए हिजाब भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि यह उनका विश्वास है। कोई तिलक लगाना चाहता है, कोई क्रॉस पहनना चाहता है तो यह उनका अधिकार है और यही सामाजिक जीवन की सुंदरता है।

दवे ने जब कहा कि क्या किसी के हिजाब पहनने से देश की अखंडता और एकता को नुकसान पहुंचता है? इसपर जस्टिस धूलिया ने कहा कि ऐसा किसी ने कहा है। यहां तक कि हाई कोर्ट के फैसले में भी यह नहीं कहा गया। इसके बाद दवे ने कहा कि अंत में यह केवल एक एक प्रतिबंध है। जस्टिस धूलिया ने कहा कि यहां आपका तर्क विरोधाभासी हो सकता है क्योंकि अनुच्छेद 19 के तहत हिजाब को सही बताया जा रहा है तो यह केवल आर्टिकल 19 (2) के तहत प्रतिबंधित किया जा सकता है।

बता दें कि जस्टिस हेमंत गुप्ता और सुधांशु धूलिया की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी। वकील दवे ने कहा कि हिजाब पहनने से किसी की भी भावनाओं को चोट नहीं पहूंचती है और यह मुस्लिम महिलाओं की पहचान से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि एक तरफ संविधान स्वतंत्रता की बात करता है तो दूसरी तरफ सरकारें प्रतिबंध की।

दुष्यंत दवे ने कोर्ट में कहा कि हाल यह है कि कोई युवक और युवती अगर हिंदू और मुस्लिम है और वे साथ में जीवन गुजारना चाहते हैं तो लोगों को इससे भी परेशानी है। हालांकि भाजपा के भी कई बड़े मुस्लिम नेताओं की जीवनसथी हिंदू हैं। मुगल बादशाह अकबर की भी पत्नी हिंदू राजपूत थीं। अकबर ने तब भी उन्हें भगवान कृष्ण की पूजा करने की इजाजत दी थी और मंदिर भी बनवाया था।

दुष्यंत दवे ने कहा कि बहुत सारे लोग चाहते हैं कि गांधी को भूल जाया जाए और केवल सरदार पटेल को याद रखा जाए। हालांकि सरदार पटेल धर्म निरपेक्ष व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि दुनियाभर के इस्लामिक देशों में अब तक 10 हजार से ज्यादा आत्मघाती हमले हुए हैं लेकिन भारत में ऐसा केवल एक। इसका मतलब है कि अल्पसंख्यकों का भारत में यकीन है। अखबार पढ़ने पर रोज ही पता चलता है कि ईराक और सीरिया में बम धमाका हुआ लेकिन भारत में ऐसा नहीं होता।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com